हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

आज अंतिम संस्कार

विमान के जमीन पर गिरते ही हुआ धमाका फिर आग और धुआं

पायलट ने नहीं किया था कोई 'मेडे' कॉल होगी जांच

प्लेन क्रैश

'कोहरे' से कोहराम, डिप्टी सीएम अजित समेत 5 की मौत

नजर नहीं आया रनवे, पहली कोशिश फेल, दूसरे में हादसा

बुधवार की सुबह महाराष्ट्र और देश की राजनीति के लिए गहरे शोक की खबर लेकर आई, जब महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य लोगों की एक विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई। हादसे में मरने वालों में दो पायलट भी शामिल हैं। महिला फ्लाइंट अटेंडेंट के अलावा अजित पवार के पीए की भी इस दर्दनाक हादसे में मौत हो गई। अजित पवार के विमान ने बुधवार सुबह लगभग आठ बजकर 10 मिनट पर उड़ान भरी थी, लेकिन लैंडिंग के समय कोहरे के कारण क्रैश हो गया।

एजेंसी ▶▶| मुंबई/नई दिल्ली

केंद्रीय एविएशन मिनिस्टर राम मोहन नायडू ने बताया कि पायलट ने बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग की कोशिश की थी, लेकिन रनवे साफ दिखाई नहीं दिया तो वह प्लेन को दोबारा ऊंचाई पर ले गया। पहली कोशिश नाकाम रहने के बाद बारामती के रनवे-11 पर दोबारा लैंडिंग की कोशिश की गई। इस दौरान विमान रनवे से पहले ही गिर गया और उसमें आग लग गई। इस दौरान पायलट ने कोई इमरजेंसी सिग्नल नहीं दिया था। उसने 'मेडे' कॉल भी नहीं किया था। वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो की टीम दुर्घटनास्थल का दौरा करेगी और मामले में जांच करेगी। मृतकों में चालक दल के दो सदस्य भी शामिल ▶▶| शेष पेज 5 पर

तीन दिन का राजकीय शोक

महाराष्ट्र सरकार ने समूचे राज्य में 30 जनवरी तक तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है और इस दौरान उन सभी भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा जहां इसे नियमित रूप से फहराया जाता है। शोक की अवधि के दौरान कोई आधिकारिक मनोरंजन कार्यक्रम नहीं होगा।

2019 में हो गई थी भविष्यवाणी

ज्योतिष की एक विदुषी महिला श्रुति द्विवेदी ने 2019 में ही इस बात की भविष्यवाणी कर दी थी कि अजित पवार 2026-27 के आसपास इस तरह विमान हादसे के शिकार हो सकते हैं और इसमें उनकी जान भी जा सकती है।

इन पांच की गई जान

- *अजित पवार -डिप्टी सीएम*
- *कैप्टन सुमित कपूर -पायलट*
- *कैप्टन शांभवी पाठक- सह-पायलट*
- *विदिप जाधव- पीए*
- *पिंकी माली- फ्लाइट अटेंडेंट*

कहां जा रहे थे पवार

डिप्टी सीएम अजित पवार आगामी जिला परिषद चुनावों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए पुणे के बारामती जा रहे थे। 5 फरवरी को पुणे जिले में होने वाले चुनावों के सिलसिले में उनका यह बारामती दौरा बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा था।

कैसे हुई घटना

पायलट ने बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग की कोशिश की थी, लेकिन रनवे साफ दिखाई नहीं दिया तो वह प्लेन को दोबारा ऊंचाई पर ले गया। पहली कोशिश नाकाम रहने के बाद बारामती के रनवे-11 पर दोबारा लैंडिंग की कोशिश की गई। इस दौरान विमान रनवे से पहले ही गिर गया और उसमें आग लग गई।

आखिरी शब्द... ओह शिट... ओह शिट

हादसे के समय पायलट कैप्टन सुमित कपूर के साथ कैप्टन सांभवी पाठक प्लेन की कमान संभाल रही थीं। क्रैश से पहले प्लेन के मेन पायलट सुमित कपूर ने मेडे कॉल नहीं किया था, लेकिन उनके साथ मौजूद कैप्टन सांभवी पाठक के आखिरी शब्द थे- ओह शिट... ओह शिट।

पवार की दो चीजों से हुई पहचान

महिला चश्मदीद ने बताया कि एक शव ठीक से दिख नहीं रहा था और आधा शरीर फूला हुआ था। उन्होंने उसे कंबल में लपेटा। शुरुआत में उन्हें पता नहीं था कि यह अजित पवार हैं। दो शव एक तरफ पड़े थे और बाकी तीन शव उनमें फंसे हुए थे। उन्होंने बताया कि अजित पवार के शव को उन्होंने उनके गॉगल और घड़ी से पहचाना। इसलिए उन्होंने सबसे पहले उनका शव निकाला। यह घटना सुबह करीब 8:45 बजे हुई थी।

आनंद का सच्चा भाव*

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹123431/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹150750/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹164558/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

ANAND Jewels

Pandri, Raipur

डीआरआई की कार्रवाई, इंडिगो की फ्लाइट में दिल्ली से रायपुर पहुंचा था

27 लाख की कोकीन साबुन के बीच फंसाकर फ्लाइट से आया नाइजीरियन छात्र धरा गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी के श्री रावतपुरा सरकार विद्यालय में बैचलर ऑफ सोशल वर्क की पढ़ाई कर रहा विदेशी मूल नाइजीरिया के छात्र के कब्जे से डीआरआई ने 27 लाख रुपए कीमत की 270 ग्राम कोकीन जब्त की है। आरोपी छात्र के कब्जे से डीआरआई की टीम ने स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर बैग की तलाशी लेने के दौरान कोकीन की जब्ती की है। ▶▶| शेष पेज 5 पर

साबुन की संख्या ज्यादा होने पर हुआ शक

पूरी तलाशी लेने के बाद भी हेनरी के पास मादक पदार्थ नहीं मिला। इस दौरान बैग की तलाशी ले रहे अफसरों को हेनरी के पास एक ही कंपनी के साबुन जो रायपुर में आसानी से उपलब्ध हो जाता, उस कंपनी के कई साबुन मिले। इस पर डीआरआई को ▶▶| शेष पेज 5 पर

छात्रों के बीच खपाने की आशंका

जिस छात्र के कब्जे से प्रतिबंधित मादक पदार्थ की जब्ती की गई है, आशंका जताई जा रही है, वह छात्र अन्य छात्रों के बीच कोकीन खपाने का काम करता था। सूत्रों के मुताबिक नाइजीरियन मूल का उक्त छात्र अपने ही बीच के छात्रों के बीच कोकीन खपाने का काम करता था। स्थानीय छात्र हेनरी के संपर्क में थे या नहीं, यह अब तक स्पष्ट नहीं है।

पदोन्नति नहीं मिली, एसपी व्यथित सीएम को लिखा पत्र, उपेक्षा का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कवर्धा

कवर्धा के एसपी ने लिखा जानबूझकर नहीं दे रहे हैं पदोन्नति

कबीरधाम जिले के एसपी भारतीय पुलिस सेवा 2012 बैच के अधिकारी धर्मेंद्र सिंह छवई ने विभागीय प्रमोशन प्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा है कि उन्हें जानबूझकर प्रमोशन नहीं दिया जा रहा है। एसपी ने यह बात मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को लिखे एक पत्र ▶▶| शेष पेज 5 पर

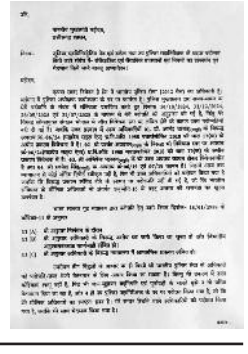

करोड़ों लोगों ने आजमाया हुआ देशका लोकप्रिय दंत मंजन

विठोबा® आयुर्वेदिक दंत मंजन

दाँत दर्द का मुंहतोड़ जवाब

हर सुबह की शुरुआत करे ताकतवर सफाई से,
जो दे दाँतों को पूरी सुरक्षा और ताज़गी।

जड़ से जुड़ो

दाँतों में किड, मुँह की दुर्गंध, दाँतों का पीलापन

अब कहिए इन सबको अलविदा। हर दिन करें प्राकृतिक देखभाल और छुटकारा पाएँ हर समस्या से।

खरेदने के लिए स्कैन करे

For Enquiries call: 9260100600

available at

vithobahealthcare

SIKSHA 'O' ANUSANDHAN

SAAT-2026

Accredited by NAAC with Grade 'A++' | UGC Graded Autonomy(Category-I) | NBA Accredited | ICAR Accredited | NABL Accredited | NABH Accredited

AICTE Approved | NMC Approved | DCI Approved | PCI Approved | BCI Approved | INC Approved | VCI Approved

PROGRAMMES OFFERED

B.TECH PROGRAMMES IN CORE ENGINEERING
Civil Engineering
Electrical Engineering
Mechanical Engineering

B.TECH PROGRAMMES IN ELECTRONICS DESIGN
Electrical and Electronics Engineering
Electronics and Communication Engineering

B.TECH PROGRAMMES IN CORE COMPUTING
Computer Science and Engineering
Computer Science and Information Technology

B.TECH PROGRAMMES IN EMERGING COMPUTING
Computer Science and Engineering (AI and ML)
Computer Science and Engineering (Cyber Security)
Computer Science and Engineering (Data Science)
Computer Science and Engineering (Internet of Things)

M.TECH PROGRAMMES
Structural Engineering
Electric Vehicle Technology
Machine Design and Robotics
Embedded System and VLSI Design
Computer Science and Engineering

M.Sc. PROGRAMMES
Physics
Chemistry
Mathemetics
Biotechnology
Integrated M.Sc. Biotechnology

COMPUTER APPLICATIONS PROGRAMMES
Bachelor of Computer Applications (BCA)
Master of Computer Applications (MCA)

LAW PROGRAMMES
BA. LL.B (H) - Integrated
BBA LL.B (H) - Integrated
LL.B. (H) - 3 Years
LL.M. - 1 Year

MANAGEMENT PROGRAMMES
BBA
MBA
Integrated MBA
MBA (Hospital Administration)
MBA (Artificial Intelligence and Data Science)

HOTEL MANAGEMENT PROGRAMMES
BHMCT (Bachelor of Hotel Management & Catering Technology)
MBA (Hospitality Management)

NURSING PROGRAMMES
B.Sc. (Nursing) (Basic)
B.Sc. (Nursing) (Post Basic)
M.Sc. (Nursing)

AGRICULTURAL PROGRAMMES
B.Sc. (H) Agriculture
M.Sc. Agriculture

PHARMACY PROGRAMMES
B. Pharm
M. Pharm

nirf
National Institutional Ranking Framework 2025
15th in University Category
22nd in Engineering Category
15th in Medical Category
09th in Dental Category
16th in Law Category

Globally Ranked By
QS WORLD UNIVERSITY RANKINGS
THE WORLD UNIVERSITY RANKINGS

To apply for admission through SAAT,
Visit: www.soa.ac.in

गबन : गरीबों के राशन में सेंधमारी, चावल-शक्कर-चना-गुड़ गायब

पीडीएस दुकान पीवी 43 में लाखों का गबन अध्यक्ष, सचिव और सेल्समैन को भेजा जेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

जयश्रीनगर स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान क्रमांक पीव्ही 43 में लाखों रुपये के खाद्यान्न और शासकीय राशि के गबन का सनसनीखेज मामला सामने आया। सार्वजनिक वितरण प्रणाली, जो गरीब और जरूरतमंद परिवारों की जीवनरेखा मानी जाती है, उसी व्यवस्था में हुए इस घोटाले ने विभागीय निगरानी और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच में गबन प्रमाणित होने के बाद पखांजुर पुलिस ने महिला विकास स्व सहायता समूह पीव्ही 43 जयश्रीनगर की अध्यक्ष, सचिव और तत्कालीन विक्रेता के खिलाफ मामला दर्ज करते तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में जेल भेजा गया।

पखांजुर में पदस्थ खाद्य निरीक्षक मुकेश कुमार साहू शासकीय उचित मूल्य दुकान जयश्रीनगर का भौतिक सत्यापन किया। जयश्रीनगर पखांजूर स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान का संचालन तत्कालीन संचालक एवं विक्रेता द्वारा स्वयं सहायता समूह पीव्ही 43 जयश्रीनगर के द्वारा किया जा रहा था। शासकीय उचित मूल्य दुकान में 31 मार्च 2025 एवं 19 अगस्त 2025 की स्थिति में किए गए सत्यापन के अनुसार, चावल 312.99 क्विंटल, शक्कर 5.41 क्विंटल, नमक 2.53 क्विंटल, चना 7.17 क्विंटल तथा गुड़ 5.74 क्विंटल गायब था। खाद्य निरीक्षक की रिपोर्ट में बताया कि संचालक एवं विक्रेता द्वारा शेष खाद्यान्न का सही-सही हिसाब प्रस्तुत नहीं किया गया। न तो निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न जमा किया गया और न ही उसके बदले शासकीय राशि जमा कराई। खाद्यान्न वितरण में गंभीर अनियमितता बरती गई और हितग्राहियों को उनके अधिकार का पूरा राशन नहीं मिल सका।

10 लाख 51 हजार का हुआ गबन

खाद्य निरीक्षक की जाँच में खुलासा हुआ कि खाद्यान्न के साथ-साथ शासकीय राशि का भी गबन किया गया। चांवल की कीमत 3,911.55 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से 9,97,406.13 रुपये, शक्कर 3,804.75 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से 20,583.70 रुपये, नमक 1,038.63 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से 2,627.74 रुपये तथा गुड़ 5,304.30 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से कुल 30,446.68 रुपये का गबन दर्शाया गया है। इस प्रकार कुल 10,51,064.25 रुपये मूल्य के खाद्यान्न का गबन होना बताया गया है। इसके अतिरिक्त एपीएल श्रेणी के हितग्राहियों की टोकन डिपॉजिट राशि 34,343.74 रुपये भी जमा नहीं कराया गया। जांच के दौरान दुकान से संबंधित रजिस्टर प्रस्तुत नहीं किए गए और न ही हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण का समुचित विवरण दिया गया।

50 हजार की रिश्वत लेते सहायक अभियंता को एसीबी ने दबोचा

खेत में ट्रांसफार्मर लगाने के नाम पर मांगी थी घूस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

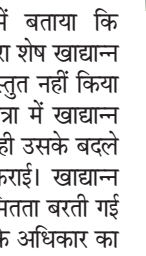

विद्युत वितरण विभाग के सहायक अभियंता द्वारा खेत में ट्रांसफार्मर लगवाने के नाम पर रिश्वत मांगी गई थी। किसान ने इसकी शिकायत एसीबी से की थी जहां एसीबी की टीम ने दीपका स्थित विद्युत वितरण विभाग के सहायक अभियंता को रंगे हाथों 50 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। एसीबी बिलासपुर डीएसपी अजितेश सिंह ने बताया कि ग्राम हरदीबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रलिया निवासी श्यामता टंडन ने एसीबी बिलासपुर में शिकायत की गई थी कि ग्राम दर्री में उसके मित्र के पिता के नाम पर कृषि जमीन है। जिसमें ट्रांसफार्मर लगवाने के लिए मित्र के पिता ने उसे सीएसपीडीसीएल में अधिकारियों से मिलकर बात करने को कहा था। जिस पर ट्रांसफार्मर लगाने का आवेदन देने के बाद सीएसपीडीसीएल दीपका के सहायक अभियंता सत्येंद्र दिवाकर द्वारा मौके का निरीक्षण किया गया। ट्रांसफार्मर लगाने के नाम पर चालान पटाने के अलावा नाश्ता पानी के नाम पर 80 हजार रुपए की मांग की गई तथा 30 हजार रुपए ले लिया गया है। वह रिश्वत के रूप में दिए जाने वाली शेष राशि 50 हजार रुपए को नहीं देना चाहता था बल्कि सहायक अभियंता दिवाकर को पकड़वाना चाहता है।

सत्यापन के बाद ट्रैप की योजना बनी

शिकायत का सत्यापन कराने पर मामला सही पाया गया जिसके बाद एसीबी की टीम ने सहायक अभियंता को ट्रैप करने की योजना बनाई। प्रार्थी श्यामता टंडन द्वारा व्यवस्था की गई राशि 50 हजार रुपए को आरोपी को देने के लिए आरोपी के दीपका स्थित कार्यालय में भेजा गया। रिश्वत की राशि 50 हजार रुपए को इंजीनियर भारद्वाज द्वारा लेते ही एसीबी टीम द्वारा उसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पकड़े गए आरोपी से रिश्वत की रकम 50 हजार रुपए जब्त कर एसीबी के द्वारा आरोपी के विरुद्ध विरुद्ध धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत कार्रवाई की जा रही है।

रिश्वतखोर आरआई को 4 साल की सजा

अंबिकापुर। रिश्वतखोरी के मामले में कोर्ट ने विशेष न्यायालय भ्रष्टाचार निवारण ने राजस्व निरीक्षक को चार साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है और अर्थदंड से दंडित किया है। आरोपी को एंटी करप्शन ब्यूरो ने 8 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर जेल भेजा था। शहर के कृष्णा नगर निवासी श्रीमती अर्चना खाखा ने 17 जुलाई 2020 को एक शिकायत दर्ज कराई थी कि महिला के पति राकेश खाखा ने वर्ष 2018 में ठाकुरपुर निवासी जानू आ. बंधु अगरिया से खसरा नंबर 542/12, रकबा 0.04 हेक्टेयर भूमि खरीदा था। भूमि खरीदने के बाद महिला जमीन का नक्शा काटने और रिकॉर्ड दुरुस्त करने के लिए राजस्व निरीक्षक राज बहादुर सिंह के पास गई थी। नक्शा काटने व रिकार्ड दुरुस्त करने के नाम पर महिला से 10 हजार रुपए की मांग की थी।

मताई करते ट्रैक्टर खेत में पलटा, चालक की गई जान

धमतरी। खेत की मताई के दौरान अचानक ट्रेक्टर के पलट जाने से चालक नीचे दब गया। इस घटना में उसकी मौत हो गई। अस्पताल पुलिस चौकी के अनुसार दुगली थाना क्षेत्र के ग्राम केकराखोली निवासी जंगलूराम कुंजाम पिता प्रेमलाल उम्र 36 वर्ष किसानी का काम करता था। मंगलवार को युवक अपना ट्रैक्टर लेकर घर के खेत को मताने के लिए गया था। युवक ट्रैक्टर से खेत की मताई कर रहा था। इसी दौरान ट्रैक्टर मेड़ किनारे अनियंत्रित होकर पलट गया। इस घटना में चालक युवक ट्रेक्टर के नीचे बुरी तरह से दब गया। उसे निकालकर परिजनों ने अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डाक्टर ने चेकअप के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया।

टामन सिंह, आरती और ललित का जमानत आवेदन एचसी से खारिज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

लोकसेवा आयोग परीक्षा घोटाला

जस्टिस विभु दत्त गुरू ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग 2020-2022 के परीक्षा घोटाले के आरोपी तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी, परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक एवं उप परीक्षा नियंत्रक ललित गनवीर के दूसरे जमानत आवेदन को भी खारिज कर दिया है। कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी करते हुए कहा है कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए लाखों युवा 'रात-दिन एक कर रहे हैं'। इसमें गड़बड़ी करना ऐसा कार्य हत्या के अपराध से भी ज़्यादा जघन्य है, क्योंकि एक व्यक्ति को मारने से केवल एक परिवार प्रभावित होता है, लेकिन लाखों उम्मीदवारों का करियर बर्बाद करने से पूरा समाज बुरी तरह प्रभावित होता है। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने 2020- 2022 में परीक्षा आयोजित की। इस परीक्षा में चैयरमेन टामन सिंह सोनवानी, परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक, डिप्टी परीक्षा नियंत्रक ललित गनवीर एवं अन्य आरोपी पेपर लिक अपने रिश्तेदारों को उपलब्ध कराने एवं परीक्षा में चयन कराया गया। अध्यक्ष, अधिकारियों व नेताओं के करीबी रिश्तेदारों के चयन होने पर इसकी शिकायत की गई। मामले में पहले ईओडब्ल्यू, एसीबी ने बालोद जिला में एफआईआर दर्ज किया। बाद में इस घोटाले की स्वतंत्र जांच की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई। सीबीआई ने जांच के बाद तत्कालीन अध्यक्ष सहित अन्य के खिलाफ जुर्म दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। जेल में बंद अध्यक्ष सोनवानी, परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक एवं उप परीक्षा नियंत्रक ललित गनवीर ने प्रथम जमानत आवेदन खारिज होने पर द्वितीय जमानत आवेदन पेश किया था।

राज्य सरकार ने जारी किए दिशा-निर्देश

अगस्त 2024 से पहले जमीन पर काबिज लोग बन पाएंगे पीएम आवास के मालिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में ऐसे सभी लोग जो आबादी भूमि पर मकान बनाकर वहां काबिज हैं, अब ये लोग प्रधानमंत्री अवास योजना शहरी 2.0 के मालिक बन सकेंगे। खास बात ये है कि इन लोगों के पास अगर भूमि पर काबिज होने के साक्ष्य होंगे, तो संबंधित निकाय उन्हें पात्र हितग्राही के रूप में प्रमाणपत्र जारी कर योजना में शामिल करेगा।

केंद्र सरकार की योजना पीएम आवास शहरी 2.0 में भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने योजना के लिए नई प्रक्रिया और दिशा-निर्देश जारी किए हैं। यह इसलिए किया जा रहा है, ताकि योजना को मिशन मोड में क्रियान्वित किया जा सके। केंद्र सरकार ने 1 सितंबर 2024 से पीएम आवास शहरी 2.0 योजना प्रारंभ की थी। पीएम आवास शहरी 2.0 के तहत पात्र हितग्राही वे होंगे, जो 31 अगस्त 2024 के पूर्व किसी भी प्रकार की आबादी, प्रचलित या सुरक्षित भूमि पर काबिज होने का साक्ष्य रखते हैं। इसमें भूमि का पट्टा, अस्थायी या कालातीत (एक्सपायर) बिजली बिल रसीद, संपत्तिकर रसीद, समेकित कर रसीद पेश कर सकेंगे। साथ ही उनके कब्जे वाली जमीन विवादमुक्त होनी चाहिए। इस स्थिति में पात्र हितग्राही प्रमाणपत्र के हकदार होंगे। इसी आधार पर उन्हें योजना में शामिल किया जा सकेगा।

ताकि... मिशन मोड में चल सके योजना

इन्हें नहीं मिलेगा प्रमाणपत्र

सरकार ने ये भी साफ किया है कि इस योजना का लाभ किन्हें नहीं मिलेगा। इसमें तालाब पार, सड़क की सीमा में, हाईटेंशन लाइन से प्रभावित स्थलों पर तथा निकाय की योजना से प्रभावित भूमि पर स्थित कच्चे आवासधारी, पट्टाधारियों को लाभार्थी आधारित निर्माण बीएलसी घटक में शामिल किए जाने के लिए पात्र हितग्राही प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा, लेकिन ये लोग पीएम आवास शहरी 2.0 की भागीदारी में किफायत आवास (एएचपी) घटक में शामिल हो सकते हैं।

रायपुर
गुरुवार 29 जनवरी 2026
माघ शुक्ल पक्ष एकादशी
वर्ष : 24, अंक : 189
पृष्ठ : 10+4+4 = 18 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 30.0
न्यून. 16.1

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

7 रयबाकिना और पेगुला का...

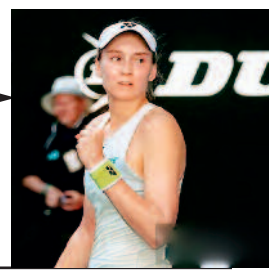

विचार पेज
2 राजनीति के अनुभवी स्तंभ ये अजित पवार

20 बेड के पीछे तीन एमबीबीएस डॉक्टर अनिवार्य, तभी आयुष्मान के लिए मान्यता, उड़े छोटे अस्पतालों के होश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

आयुष्मान योजना के पंजीयन और उपचार व्यवस्था में पारदर्शिता लाने बनाए गए नए विभागीय पोर्टल ने छोटे और मध्यम आकार वाले निजी अस्पताल की नींद उड़ा दी है। नए नियम में बीस बेड के पीछे तीन एमबीबीएस डाक्टरों की नियुक्ति अनिवार्य की गई है। अस्पताल चलाने का खर्च ज्यादा और आय कम होने का हवाला देते हुए डाक्टरों की व्यवस्था को मुश्किल बताया जा रहा है। इसके साथ ही सर्जन सहित ⏭शेष पेज 5 पर

31 जनवरी तक देनी है जानकारी

इस हास्पिटल इंपैनलमेंट मॉडयूल (हेम 2.0) पोर्टल में निजी हास्पिटलों को 31 जनवरी तक जानकारी देना अनिवार्य किया गया है। इस जानकारी के आधार पर आयुष्मान सहित अन्य स्वास्थ्य योजना के लिए पात्र हास्पिटलों को सूचीबद्ध किया जाएगा। सरकारी स्तर पर दावा किया जा रहा है कि इससे हास्पिटलों द्वारा की जाने वाली मनमानी पर रोक लगेगी और लोगों को स्वास्थ्य संबंधी पूरी सुविधा मिल सकेगी।

खास बातें

- अस्पताल चलाने का खर्च ज्यादा आय कम, तीन डाक्टरों की व्यवस्था हो रही मुश्किल
- नए विभागीय पोर्टल में सर्जनों के लिए भी बंधन, तीन अस्पतालों से ज्यादा में अटैच बंद

लंबित भुगतान भी कर रहा प्रभावित

आयुष्मान योजना के लंबित भुगतान का असर अब मरीजों के उपचार पर नजर आ रहा है। हास्पिटल मरीजों को सीधे इंकार तो नहीं कर रहे हैं मगर उन्हें अलग-अलग बहानों से सीधे भुगतान के आधार पर इलाज कराने के लिए मनाने का प्रयास किया जा रहा है। बकाया करीब 6 सौ करोड़ देने के लिए आईएमए सहित विभिन्न संगठन चेतावनी भी जारी कर चुके हैं।

चिंता जाहिर की जा चुकी

नए पोर्टल के नए नियम का पालन करना काफी कठिन है। 20 बिस्तर के अस्पतालों में 3 एमबीबीएस डाक्टर की उपलब्धता अव्यवहारिक है। पिछले दिनों बैठक में इस चिंता जाहिर करने के साथ इसके निराकरण की मांग शासन से की गई है।

- डा. सुरेन्द्र शुक्ला, अध्यक्ष, हास्पिटल बोर्ड, आईएमए

योजना का आकार छोटा करने का प्रयास

छत्तीसगढ़ में आयुष्मान योजना के छोटे और मध्यम आकार के अस्पताल संचालकों में हेम पोर्टल के अनिवार्य बिंदुओं को लेकर रोष है। अस्पतालों को स्वास्थ्य विभाग में अत्यधिक वित्तीय भार के कारण योजना का आकार छोटा करने और योजना से बाहर करने का प्रयत्न प्रतीत होता है।

- डा. राकेश गुप्ता, अध्यक्ष, एएचपीआई

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

युवाओं के लिए पैदा होंगे अनगिनत अवसर

नई दिल्ली। दिल्ली छावनी में आयोजित वार्षिक एनसीसी रैली

को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच एक दिन पहले हुए 'ऐतिहासिक' मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को गति मिलेगी।

आधार ऐप के जरिए उम्र का डिजिटल सत्यापन

नई दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने एक नया 'आधार' ऐप पेश किया है। इसका उपयोग डिजिटल व्यक्तिगत संरक्षण अधिनियम के तहत कोई अतिरिक्त डेटा साझा किए बगैर उम्र के सत्यापन के लिए किया जा सकता है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन ने कहा कि सरकार ने निजी संस्थाओं को सुरक्षित आधार पर आधार प्रमाणीकरण का उपयोग करके सेवा प्रदान करने में सक्षम बनाने के लिए 'आधार प्रमाणीकरण नियम 2020 के लिए आधार प्रमाणीकरण में संशोधन किया है।

ट्रंप ने ईरान को फिर समझौते की दी धमकी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को फिर धमकी दी है। उन्होंने कहा है कि

ईरान को अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को लेकर तुरंत बातचीत करनी चाहिए, वरना अमेरिका का अगला हमला पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक होगा। ऐसा समझौता करना चाहिए जिसमें साफ तौर पर परमाणु हथियार न बनाने की शर्त हो।

रिलायंस समूह की 1,800 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि उसने रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ जारी धनशोधन जांच के तहत 1,800 करोड़ रुपए से अधिक की नयी संपत्तियों को कुर्क किया है। इस ताजा कार्रवाई के साथ ही इस मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा कुर्क की गई कुल संपत्ति का मूल्य अब लगभग 12,000 करोड़ रुपए हो गया है। ईडी ने एक बयान में कहा कि उसने इस संदर्भ में धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत चार अलग-अलग अंतरिम आदेश जारी किए हैं।

बजट सत्र का आगाज, कल पेश होगा आर्थिक सर्वेक्षण, 1 को आम बजट

अभिभाषण के बीच हंगामा, जी राम जी कानून का जिक्र होते ही भड़का विपक्ष

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

संसद का बजट सत्र बुधवार से शुरू हो गया। यह सत्र 2 अप्रैल 2026 तक चलेगा और दो चरणों में विभाजित होगा। सत्र की शुरुआत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण से हुई। अभिभाषण के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्म ने विकसित भारत-जी राम जी कानून का भी जिक्र किया। इस दौरान विपक्षी पार्टियां भड़क गईं और नारेबाजी करने लगीं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों और विकास के लिए विकसित भारत-जी राम जी कानून बनाया गया है। राष्ट्रपति के इतना कहते ही विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी शुरू कर दी। हालांकि, इस दौरान एनडीए समर्थकों ने मेज थपथपाकर अभिभाषण का समर्थन किया। विपक्षी सांसद इस दौरान वापस लो, वापस लो, ये कानून वापस लो जैसे नारे लगाते रहे। हालांकि, कुछ मिनटों तक नारेबाजी करने के बाद विपक्षी सांसद शांत हो गए और राष्ट्रपति का अभिभाषण जारी रहा। ⏭शेष पेज 5 पर

- दो अप्रैल तक दो चरणों में चलेगा संसद सत्र
- सरकार द्वारा लाए जाने वाले कई बिलों पर चर्चा की संभावना

ऑपरेशन सिंदूर में विश्व ने देखा सेना का शौर्य

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विश्व ने भारतीय सेना का शौर्य और पराक्रम देखा जब देश ने अपने संसाधनों के बल पर आतंकियों के अड्डों को ध्वस्त कर दिया। सरकार ने कड़ा संदेश दिया कि भारत पर किसी भी आतंकी हमले का जवाब दृढ़ और निर्णायक होगा।

राष्ट्रपति ने कही यह बात

- भारत को आत्मविश्वास और तैयारियों के कारण मिली 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी
- सरकार सभी वर्गों के लिए समानता और सामाजिक न्याय के वास्ते काम कर रही
- सरकार गरीबों, मध्यम वर्ग के लिए 'सुधार एक्सप्रेस' पर, जीएसटी से एक लाख करोड़ रुपए की बचत

माओवादी आतंक पर निर्णायक कार्रवाई

अभिभाषण में मुर्मू ने कहा कि सरकार की नीतियों के अनुरूप सुरक्षाबलों ने माओवादी आतंक पर भी निर्णायक कार्रवाई की है। माओवादी आतंक की चुनौती 126 जिलों से घटकर आठ जिलों तक सिमट गई है, जिनमें भी 3 जिले ही ऐसे हैं, जो गंभीर रूप से प्रभावित हैं। केंद्र सरकार सच्चे सामाजिक न्याय के लिए समर्पित है तथा 'सबका साथ, सबका विकास' का दृष्टिकोण हर नागरिक के जीवन में बदलाव ला रहा है।

सरकार ने मांगा सहयोग

सेशन का पहला हिस्सा मुख्य रूप से 2026-27 के यूनियन बजट से जुड़े फाइनेंशियल कामकाज और राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के लिए होगा। जरूरी विधायी और दूसरे कामकाज मुख्य रूप से सेशन के दूसरे हिस्से में किए जाने की उम्मीद है। इससे पहले मंगलवार को सरकार ने संसद के बजट सत्र से पहले एक सर्वदलीय बैठक बुलाई थी।

ढाई घंटे जांच के बाद स्थिति हुई सामान्य

छत्तीसगढ़ में कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल, मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर/ राजनांदगांव/ धमतरी/ अंबिकापुर

छत्तीसगढ़ के कई जिला न्यायालयों को बुधवार को बम से उड़ाने की धमकी भरे ई-मेल से कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया। सभी मेल कोर्ट के आधिकारिक ई-मेल आईडी पर भेजाा गया था। कोर्ट में कामकाज शुरू होने के बाद कोर्ट के कंप्यूटर सेक्शन के कर्मचारियों ने मेल देखा, जिसके बाद इसकी जानकारी तत्काल पुलिस को दी गई। इसके बाद एसपी समेत बम व डॉग स्क्वॉड की टीम ने लगभग ढाई घंटे तक चप्पे चप्पे की जांच की, जब कुछ नहीं मिला तो सभी ने राहत की सांस ली। राजनांदगांव में जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की 20 दिन के भीतर यहां दूसरी धमकी थी, जो ई-मेल के माध्यम से प्राप्त हुई है। इससे पहले 8 जनवरी को भी इसी तरह का ई-मेल न्यायालय परिसर को ⏭शेष पेज 5 पर

- एसपी की मौजूदगी में बम व डॉग स्क्वॉड ने चप्पे चप्पे की हुई जांच

परिसर की जांच

लगभग 11 बजे हमें जिला न्यायालय को मिले धमकी भरे ई-मेल भेजे जाने की सूचना मिली थी, जिसके बाद पूरे कोर्ट परिसर को सील कर दिया गया। बम निरोधक दस्ता व डॉग स्क्वॉड के साथ पूरे परिसर की जांच की गई। जांच उपरांत कुछ नहीं मिलने के बाद लगभग डेढ़ बजे कोर्ट परिसर को खोल दिया गया।

- शलभ कुमार सिन्हा, एसपी, बस्तर

तड़के भेजा गया था धमकी भरा ई मेल

गौरतलब है कि इससे पूर्व भी न्यायालयों को इस तरह के धमकी भरे ई-मेल मिल चुके हैं। ⏭शेष पेज 5 पर

पक्षकारों की पेशी आगे बढ़ा दी गई

धमकी भरे ई-मेल मिलने के बाद बुधवार को कोर्ट में पेशी के लिए व अन्य न्यायालयीन काम से दर्जनों की संख्या में पक्षकार पहुंचे थे। पक्षकारों के खिलाफ किसी तरह का वारंट नहीं निकले और उन्हे परेशानी ⏭शेष पेज 5 पर

बिना स्नान किए लौटे काशी

'भारी मन' के साथ माघ मेला से विदा हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

एजेंसी ⏭ प्रयागराज/लखनऊ

माघ मेले में मौनी अमावस्या पर प्रशासन द्वारा कथित तौर पर स्नान करने से रोकने के बाद शंकराचार्य शिविर के बाहर धरने पर बैठे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती बुधवार को भारी मन से मेले से विदा हो गए। माघ मेले से प्रस्थान से पूर्व सरस्वती ने कहा, आज शब्द साथ नहीं दे रहे हैं और स्वर बोझिल हैं। प्रयाग की इस पवित्र धरती पर हम आध्यात्मिक शांति की कामना लेकर आते हैं, लेकिन आज यहां से एक ऐसी रिक्तता और भारी मन लेकर लौटना पड़ रहा है जिसकी कल्पना हमने कभी नहीं की थी। उन्होंने कहा, प्रयाग में जो कुछ भी घटित हुआ, उसने ना केवल हमारी आत्मा को झकझोरा है, बल्कि न्याय और मानवता के प्रति हमारे सामूहिक विश्वास पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

क्या है मामला

उल्लेखनीय है कि मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पालकी पर सवार होकर स्नान के लिए संगम जा रहे थे। अत्यधिक भीड़ होने के कारण प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों ने उन्हें पालकी से उतरकर स्नान के लिए जाने को कहा, जिसको लेकर विवाद खड़ा हो गया। मेला प्रशासन ने आरोप लगाया था कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके समर्थक पांटून पुल का बैरियर तोड़कर घाट की तरफ बढ़े। इससे पुलिस प्रशासन को व्यवस्था में संभालने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इस घटना के बाद से सरस्वती और पुलिस प्रशासन के बीच आरोप प्रत्यारोप का दौर चला और वह माघ मेले में स्नान किए बगैर बुधवार को प्रस्थान कर गए।

अखिलेश ने भाजपा पर बोला तीखा हमला

यूपी के पूर्व सीएम और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए सत्तारूढ़ दल पर सदियों पुरानी सनातन परंपराओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया। शंकराचार्य के स्नान किए बिना माघ मेले से चले जाने को उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने 'अत्यंत अनिष्टकारी घटना' बताया। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, भाजपा के दंभ ने अनादिकाल से चली आ रही सनातनी परंपरा को तोड़ दिया है।

अभी पुराने एसपी दफ्तर से हो रहा है संचालन

नवा रायपुर में होगा रायपुर ग्रामीण एसपी का दफ्तर, एनआरडीए देगा जगह

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर के नगरीय क्षेत्रों में पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू होने के साथ ही रायपुर जिला पुलिस का विभाजन दो हिस्सों में हो गया है। इसके साथ ही अब पुराने रायपुर शहर में पुलिस कमिश्नरी का कार्यालय अस्तित्व में आ गया है, लेकिन रायपुर ग्रामीण एसपी के लिए दफ्तर अब तक तय नहीं हो पाया है। सूत्रों के अनुसार यह दफ्तर नवा रायपुर अटल नगर में शुरू हो सकता है। इसके लिए नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण ⏭शेष पेज 5 पर

- ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को जाना होगा नवा रायपुर

पुराने कार्यालय से शुरू हुआ कामकाज

कमिश्नरी बनने के बाद रायपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक के रूप में आईपीएस श्वेता सिन्हा श्रीवास्तव पदस्थ हुई हैं। उन्होंने अपना नया कार्यभार ग्रहण कर कामकाज शुरू कर दिया है। वे फिलहाल रायपुर के पुराने एसपी कार्यालय में बैठ रही हैं, वहीं से उन्होंने कामकाज शुरू कर दिया है। दरअसल कमिश्नरी बनने और कार्यक्षेत्र का विभाजन होने ⏭शेष पेज 5 पर

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का बड़ा फैसला

कांस्टेबल भर्ती में 4500 पदों की नियुक्तियों पर हाईकोर्ट की रोक

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

हाईकोर्ट ने एक बड़े फैसले में कांस्टेबल भर्ती में आगे की नियुक्तियों पर रोक लगा दी है। याचिका में भर्ती प्रक्रिया में हुई गड़बड़ियों की विस्तृत के साथ ही सीबीआई या दूसरी एजेंसियों से जांच कराने की मांग की गई है। कोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब तलब करते हुए पूरी भर्ती प्रक्रिया का रिकार्ड पेश करने कहा है। ⏭शेष पेज 5 पर

गलत डाटा दर्ज, सीसीटीवी के फुटेज डिलिट

याचिका में कहा गया कि शासन द्वारा की गई कार्रवाई की रिपोर्ट में स्वयं पुलिस अधीक्षक जिला बिलासपुर ने स्वीकारा है कि भर्ती प्रक्रिया में फिजिकल टेस्ट के दौरान कई गड़बड़ियों की गई है एवं गलत डेटा दर्ज किए गए हैं। यहां तक कि टाइम्स ⏭शेष पेज 5 पर

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच ऐतिहासिक अनुष्ठान

भगवान बालाजी के श्रीचरणों में एक किलो वजनी स्वर्ण कलश

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बालाजी मंदिर के रजत जयंती महोत्सव के अंतर्गत तीसरे दिन गुरुवार को आस्था, भक्ति और वैदिक परंपराओं का अद्भुत संगम देखने को मिला। प्रातः नित्य आराधना एवं विशेष हवन के साथ पूजा विधान का शुभारंभ हुआ। आंध्र प्रदेश से पधारे वैदिक पंडितों के सानिध्य में भक्तों द्वारा अर्पित स्वर्ण कलश को विधिवत मंत्रोच्चार के साथ भगवान बालाजी के श्रीचरणों में समर्पित किया गया। बताया जा रहा है कि स्वर्ण कलश का वजन लगभग 1 किलोग्राम और ⏭शेष पेज 5 पर

- आज होगा महाअभिषेक, रात में सजेगा श्रीनिवास कल्याणम् का दिव्य उत्सव

देर रात तक चलेगा श्रीनिवास कल्याणम् का भव्य विधान

रजत जयंती महोत्सव के तहत गुरुवार रात्रि को विशेष धार्मिक विधान "श्रीनिवास कल्याणम्" का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान भगवान बालाजी के विवाह उत्सव का मंचन किया जाएगा, जिसमें वर-वधु संवाद, मंगलाचार और पारंपरिक रस्मों का सजीव चित्रण होगा। ढोल-नगाड़ों और बैंड-बाजे के साथ भगवान की भव्य बारात भी निकाली जाएगी। रजत जयंती महोत्सव के पांचवें दिन शुक्रवार को प्रातः नित्य आराधना एवं विशेष हवन के पश्चात सुबह 10 बजे से महिलाओं के लिए विशेष कुमकुम पूजा का आयोजन किया जाएगा।

दूषित पेयजल से एक और मौत, अब तक 29वीं

इंदौर। इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में 62 वर्षीय व्यक्ति की मौत के बाद उसके परिजनों ने कहा कि उसे दूषित पेयजल से फैले उल्टी-दस्त के प्रकोप के कारण जान गंवानी पड़ी है। ताजा मामले को मिलाकर स्थानीय लोगों ने महीना भर पहले फैले इस प्रकोप में अब तक कुल 29 लोगों की मौत का दावा किया है। हालांकि, इंदौर पीठ में 27 जनवरी को राज्य सरकार की पेश 'डेथ ऑडिट' रिपोर्ट में संभावना जताई गई है कि भागीरथपुरा में 16 लोगों की मौत का संबंध इस इलाके में दूषित पेयजल के कारण फैले उल्टी-दस्त के प्रकोप से हो सकता है। भागीरथपुरा में रहने वाले खूबचंद बंधैया (62) ने उल्टी-दस्त के इलाज के दौरान अपने घर में मंगलवार को आखिरी सांस ली।

चिंतन

पवार हादसा और वीवीआईपी हवाई सुरक्षा पर उठते सवाल

नमन
नृपेन्द्र अभिषेक नृप

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में मृत्यु केवल एक व्यक्ति की असमय विदाई नहीं है, बल्कि यह उस व्यवस्था पर कठोर प्रश्नचिह्न है, जो वीवीआईपी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताती है पर व्यवहार में बार-बार असफल होती दिखाई देती है। बारामती में लैंडिंग के दौरान हुआ यह हादसा, जिसमें पवार सहित पांच लोगों की जान चली गई। देश के लिए एक गंभीर चेतावनी है कि तकनीक, नियम और निगरानी के बीच कहीं गंभीर चूक है, जो वीवीआईपी समेत आमजन पर भी भारी पड़ती है। प्रारंभिक तथ्यों के अनुसार, विमान ने लैंडिंग की पहली कोशिश असफल होने पर दोबारा उतरने का प्रयास किया। दूसरी कोशिश में विमान रनवे से पहले ही गिर पड़ा और आग लग गई। न आपात संकेत भेजा गया, न 'मेडे' कॉल। तकनीकी खराबी और लैंडिंग गियर की समस्या की आशंका जताई जा रही है। फिर भी, यह प्रश्न अभी से उठ खड़ा हुआ है कि क्या वीवीआईपी उड़ानों में जोखिम-प्रबंधन उतना सुदृढ़ है, जितना दावा किया जाता है। यह हादसा किसी एक क्षण की गलती का परिणाम हो सकता है पर इसके पीछे की पृष्ठभूमि लंबी है। छोटे हवाई अड्डों की सीमित संरचना, निजी चार्टर सेवाओं की निगरानी, मौसम और नेविगेशन सूचना की गुणवत्ता और सबसे अहम, निर्णय लेने की प्रक्रिया में दबावों की भूमिका। जब उड़ानें समय-सारिणी और राजनीतिक कार्यक्रमों से बंध जाती हैं तो क्या सुरक्षा के निर्णयों पर अनकहा दबाव बनता है? यह पहली बार नहीं है, जब भारत ने विमान हादसों में अपने नेतृत्व को खोया है। अजित पवार की दुर्घटना हमें उन पुराने जख्मों की याद दिलाती है, जो समय के साथ भी भरे नहीं हैं। संजय गांधी, माधवराव सिंधिया, जी.एम.सी. बालयोगी, वाई.एस. राजशेखर रेड्डी, सीडीएस बिपिन रावत, होमी जहांगीर भाभा, विजय रूपाणी और ओपी जिंदल व चौधरी सुरेंद्र सिंह जैसे नाम केवल व्यक्ति नहीं, संस्थागत क्षति के प्रतीक थे। हर बार शोक व्यक्त हुआ, जांच बैठी, रिपोर्टें आईं पर क्या व्यवस्थागत सुधार स्थायी रूप से लागू हुए? यदि होते, तो ऐसी घटनाएं बार-बार क्यों दोहरातीं? यह केवल तकनीकी मुद्दा नहीं, बल्कि प्रशासनिक इच्छाशक्ति, जवाबदेही और पारदर्शिता का प्रश्न है। लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों का जीवन निजी नहीं होता। उनका अस्तित्व शासन की निरंतरता, नीति-निर्माण और सार्वजनिक हित से जुड़ा होता है, इसलिए उनकी सुरक्षा को भावनात्मक सहानुभूति के बजाय संस्थागत जिम्मेदारी के रूप में देखना होगा। वीवीआईपी उड़ानों के लिए स्वतंत्र और नियमित सुरक्षा ऑडिट, पायलट के निर्णय की पूर्ण स्वायत्तता, आधुनिक नेविगेशन और लैंडिंग सहायता प्रणालियों की अनिवार्यता ये अब विकल्प नहीं, आवश्यक शर्तें हैं। विशेषकर छोटे हवाई अड्डों पर संरचनात्मक मानकों की समीक्षा जरूरी है। रनवे की दृश्यता, ग्राउंड-सपोर्ट सिस्टम, मौसम-डेटा की रियल-टाइम उपलब्धता और आपात प्रतिक्रिया की तैयारी इन सब पर समान रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए। निजी चार्टर कंपनियों पर भी वही सख्त नियम लागू होने चाहिए जो वाणिज्यिक उड़ानों पर होते हैं और उल्लंघन पर दंड केवल कागजी न रहकर वास्तविक और प्रभावी होना चाहिए। नागर विमानन मंत्रालय को एक व्यापक 'नेशनल वीवीआईपी एयर सेफ्टी पॉलिसी' लागू करनी चाहिए। सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि इस त्रासदी से व्यवस्था बदलें, ताकि भविष्य में कोई उड़ान, कोई जीवन और कोई जिम्मेदारी इस तरह अधर में न रहे।

राजनीति के अनुभवी स्तंभ थे अजित पवार

> अजित पवार, जो दशकों से महाराष्ट्र की राजनीति के एक मजबूत स्तम्भ रहे हैं, विमान लैंडिंग हादसे का शिकार हो गए। उनकी पहचान केवल एक राजनेता के तौर पर नहीं थी, बल्कि वे एक ऐसे नेता थे जिन्हें जनता ने 'दादा' कहकर सम्मान दिया। इस संबोधन में एक भावनात्मक जुड़ाव झलकता था- एक ऐसा सम्मान जो वे वर्षों के जन-समर्थन, बातचीत और कार्यों के कारण अर्जित कर पाए थे। उनकी कार्यशैली तेज़, निर्णायक और प्रभावशाली रही। वे हमेशा जनता के बीच संवाद बनाए रखने में विश्वास रखते थे। पवार का अचानक और अप्रत्याशित निधन न केवल एक नेता की मृत्यु है, बल्कि महाराष्ट्र राजनीति के एक अद्वितीय अध्याय का अंत भी है।

बुधवार की सुबह, जब महाराष्ट्र की राजनीति नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने वाली थी, एक ऐसी खबर ने सबको हैरान कर दिया जिसकी किसी ने भी कल्पना नहीं की थी। अजित पवार, जो दशकों से महाराष्ट्र की राजनीति के एक मजबूत स्तम्भ रहे हैं, अपने निजी विमान से बारामती की ओर जा रहे थे, तब उनका विमान लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पवार सहित सभी सवारों को मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया। प्रारंभिक अधिकारियों के अनुसार लैंडिंग की प्रक्रिया के दौरान विमान संतुलन खो बैठा और रनवे के पास ही जोरदार टक्कर के साथ क्रैश-लैंड हो गया, जिससे यह भयावह दृश्य बना।

यह दुर्घटना राज्य के लिए एक बड़ा सदमा है, जिसने राजनीतिक, प्रशासनिक और जनता के सामूहिक मन को झकझोर दिया है। अजित अनंतराव पवार का जन्म 22 जुलाई 1959 को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के देओलाली-प्रवरा में हुआ था। वह एक राजनीतिक परिवार से थे, जिनके चाचा शरद पवार भारतीय राजनीति के अग्रणी नेतृत्व रहे हैं। युवा अवस्था से ही उन्होंने राजनीति में रुचि विकसित की और समाज सेवा तथा संगठनवाद में सक्रिय भूमिका निभाई। उनका राजनीतिक सफ़र सहकारी आंदोलन से शुरू हुआ। 1982 से उन्होंने स्थानीय और ग्रामीण राजनीतिक कार्यों में भाग लिया और जल्दी ही अपने तेज़ संगठनात्मक कौशल के कारण लोकप्रिय हो गए। 1991 में उन्होंने बारामती विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा और जीत हासिल की, जिसके बाद वे महाराष्ट्र राजनीति के केंद्र में आ गए। उनकी राजनीतिक यात्रा केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं थी। उन्होंने पुणे जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष के रूप में 16 वर्ष तक काम किया, जहां से उन्हें ग्रामीण और सहकारी क्षेत्रों में व्यापक समर्थन मिला। इससे उन्हें महाराष्ट्र की राजनीति के सबसे मजबूत नेताओं में से एक बनाया गया। वह बारामती निर्वाचन क्षेत्र से कई बार लगातार विधायक चुने गए और विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों जैसे कृषि, बागवानी, बिजली, जल संसाधन और वित्त एवं योजना मंत्रालयों का नेतृत्व किया। विशेष रूप से जल संसाधन विभाग में उन्होंने कृष्णा घाटी तथा कोकण सिंचाई जैसी परियोजनाओं पर काम किया, जिससे कृषि-आधारित समुदायों को व्यापक लाभ हुआ। अजित पवार ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक अनूठा योगदान दिया। उन्होंने 2000 के दशक की शुरुआत से राज्य के शासन में कई महत्वपूर्ण पद संभाले और विविध सरकारों में अपना स्थान बनाए रखा। 2010 में उन्हें पहली बार उपमुख्यमंत्री का पद प्राप्त हुआ, लेकिन 2013 में सिंचाई घोटाले के आरोपों के कारण उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। हालांकि बाद में क्लीन चिट मिलने के बाद वे फिर से पद पर लौट आए, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि राजनीतिक चुनौतियों ने भी उनके सामर्थ्य को कम नहीं किया। आज वह महाराष्ट्र के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले उपमुख्यमंत्रियों में से एक माने जाते थे, और उनके प्रशासनिक कौशल तथा संगठन शक्ति की वजह से उन्हें विशेष सम्मान मिला। उनके योगदान ने कई योजनाओं और नीतियों को आकार दिया, जिससे राज्य के विकास की दिशा प्रभावित हुई।

राजनीति में किसी भी नेता का सफ़र विवादों से मुक्त नहीं रहता और पवार भी इससे अछूते नहीं थे। 2013 में

दिया गया एक विवादित बयान जब आलोचना की भेंट चढ़ा, तब उन्हें माफी मांगनी पड़ी थी। इसके अलावा 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान मतदाताओं को धमकाने के आरोप भी लगे। समय-समय पर भ्रष्टाचार तथा पद दुरुपयोग के मुद्दों ने भी उनके राजनीतिक जीवन को जटिल बना दिया। लवासा लेक सिटी जैसी परियोजनाओं में कथित मदद के आरोपों ने भी उनके व्यवहार को लेकर सुर्खियां बनाई। इन विवादों के बावजूद उनका जन-समर्थन और राजनीतिक प्रभाव कम नहीं हुआ, बल्कि उनके प्रशंसकों का मानना रहा कि प्रशासनिक क्षमता तथा संगठनात्मक कौशल ने उनके विवादों को परास्त किया। उनकी राजनीतिक छवि अक्सर विरोधाभासी रही, जहां एक ओर आलोचक उन्हें कठोर राजनीतिक प्रक्रियाओं में शामिल मानते थे, वहीं समर्थक उन्हें एक कुशल, अनुभवी और लोक-सम्मानित नेता के रूप में देखते थे। इसी विरोधाभासी छवि ने उन्हें महाराष्ट्र राजनीति का एक मजबूत स्तम्भ बनाया। अजित पवार की पहचान केवल एक राजनेता के तौर पर नहीं थी, बल्कि वे एक ऐसे नेता थे जिन्हें जनता ने "दादा" कहकर सम्मान दिया। इस संबोधन में एक भावनात्मक जुड़ाव झलकता था- एक ऐसा सम्मान जो वे वर्षों के जन-समर्थन, बातचीत और कार्यों के कारण अर्जित कर पाए थे। उनकी कार्यशैली तेज़, निर्णायक और प्रभावशाली रही। वे हमेशा जनता के बीच संवाद बनाए रखने में विश्वास रखते थे। बारामती और उसके आसपास के क्षेत्रों में उन्होंने जल कृषि, आधारभूत संरचना, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं में निवेश के माध्यम से उन समुदायों को सीधे रूप से लाभ पहुंचाया। उनके नेतृत्व में कई योजनाएं और बजट पर निर्णय महाराष्ट्र की आर्थिक दिशा में स्थिरता और विकास का आधार बने। उनका नाम कई बार राज्य के बजट तैयार करने वाले नेता के रूप में भी सामने आया, क्योंकि उन्होंने वित्तीय मामलों में गहरी समझ और विस्तृत बारीकी दिखाई। अजित पवार महाराष्ट्र के उन नेताओं में थे जिन्होंने राजनीतिक स्थिरता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जब-जब भी गठबंधन सरकारों के बीच सत्ता के समीकरण बदलते, पवार अपनी समझदार रणनीतियों के कारण राजनीतिक निर्णयों पर असर डालते रहे। उनकी राजनीतिक सूझ-बूझ ने अक्सर नीतिगत दिशा को प्रभावित किया, और कई बार गठबंधन निर्णय उनके प्रभाव के बिना सम्भव नहीं थे। यह अकेला कोई कार्य नहीं था, बल्कि एक ऐसी राजनीतिक कला थी, जिसमें उन्होंने संगठन शक्ति, कौशल और प्रशासनिक अनुभव को शासकीय निर्णयों के साथ जोड़कर एक संगठित राजनीति की मिसाल पेश की। कई विश्लेषक मानते हैं कि उनके अनुभव की वजह से शासन-प्रशासन में संतुलन बन रहा था और निर्णय लेने में उनकी भूमिका निर्णायक थी।

आज पवार के अचानक निधन के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में एक विशाल खालीपन महसूस किया जा रहा है। एक ऐसा नेता जिसने न केवल राजनीतिक मशीनरी को समझा, बल्कि उसे दिशाहीन समयों में भी मजबूती से थामा, अब नहीं रहे। उनकी मौत से यह स्पष्ट होता है कि राजनीति केवल पदों और शक्ति का नाम नहीं है; यह एक जन-सम्बंध, प्रशासन क्षमता, दूरदर्शिता और संघर्ष का मिश्रण है। पवार ने इन सभी चरित्रों को अपने जीवन में बख़ूबी अपनाया और महाराष्ट्र की राजनीति के इतिहास में अपनी एक स्थायी पहचान बनाई। आज वे नहीं हैं, पर उनकी याद, चर्चा और उनके कार्यों का प्रभाव लंबे समय तक राजनीति के परिदृश्य पर देखा जाएगा। अजित पवार का अचानक और अप्रत्याशित निधन न केवल एक नेता की मृत्यु है, बल्कि महाराष्ट्र राजनीति के एक अद्वितीय अध्याय का अंत भी है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

आर्थिकी
डॉ. जयंतीलाल भंडारी

विकास केंद्रित रणनीतिक बजट की उम्मीद

इन दिनों पूरे देश की निगाहें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा एक फरवरी को प्रस्तुत किए जाने वाले बजट की ओर लगी हुई है। सीतारमण का यह नौवां बजट होगा। उम्मीद की जा रही है कि इस बजट में जहां भारत के यूरोपीय संघ (ईयू) सहित विभिन्न देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए कारोबार और लॉजिस्टिक जैसे क्षेत्रों में साहसिक सुधारों की गति बढ़ाने की रणनीति होगी, वहीं 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के दृष्टिकोण से खपत और व्यय बढ़ाकर विकास दर बढ़ाने की भी विशेष रणनीति होगी। साथ ही गरीब, युवा, महिलाएं, किसान और मध्यम वर्ग के लिए राहत के प्रभावी प्रावधानों के साथ रक्षा, सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योग (एमएसएमई), हरित ऊर्जा और आर्थिक सुधारों पर बड़े ऐलान दिखाए देंगे। वित्त मंत्री राहत और विकास के बीच संतुलन बनाते हुए राजकोषीय घाटे को वित्त वर्ष 2026-27 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.3 फीसदी के स्तर पर सीमित रखने और 7.5 फीसदी विकास दर पाने की रणनीति के साथ आगे बढ़ते हुए दिखाई देंगी। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि वित्त मंत्री सीतारमण के समक्ष वर्ष 2026-27 का बजट तैयार करते समय चुनौतियों की श्रृंखला सामने है। वर्ष 2026-27 में राज्यों के साथ संसाधनों के बंटवारे को लेकर सोलहवें वित्त आयोग की सिफारिशों को लागू किए जाने पर भी अर्थव्यवस्था पर प्रभाव होगा। इन चुनौतियों के बावजूद इस समय वित्त मंत्री की मुठ्ठियों में विभिन्न वर्गों को राहत देने और विकास की विभिन्न योजनाओं के लिए प्रभावी आवंटन हेतु कर संग्रहण संबंधी मजबूत परिदृश्य मौजूद हैं। चालू वित्त वर्ष के तहत 7.4 फीसदी विकास दर प्राप्ति के संकेत अच्छे आर्थिक परिदृश्य के प्रतीक हैं। चालू वित्त वर्ष में आयकर रिटर्न भरने वाले आयकरदाताओं की संख्या और आयकर की प्राप्ति में प्रभावी वृद्धि हुई है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से दिसंबर 2024 तक आयकर सहित प्रत्यक्ष कर संग्रहण 17 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है, जो कि पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 8 फीसदी से भी ज्यादा है। उम्मीद की जा रही है कि वित्त मंत्री आगामी वित्त वर्ष में पूंजीगत व्यय को बढ़ाकर 12 से 12.5 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंचाते हुए दिखाई देंगी। नए बजट में महिलाओं के लिए विशेष क्रेडिट कार्ड, ऋण तथा बीमा प्लान की घोषणाएं हो सकती हैं।

नए बजट में वित्त मंत्री रोजगार, कृषि उत्पादकता बढ़ाने, ग्रामीण विकास, सिंचाई तथा वेयरहाउसिंग संबंधी प्रोत्साहन, पीएलआई योजना का दायरा बढ़ाने, रियल एस्टेट सेक्टर और आवास सेक्टर को प्रोत्साहन, डिजिटल क्रांति को आगे बढ़ाने, पीएम सूर्य मुफ्त बिजली योजना तथा स्वच्छ ऊर्जा के लिए अधिक आवंटन करते हुए दिखाई दे सकती हैं। प्रधानमंत्री कौशल मुद्रा योजना की शुरुआत संभावित है। ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ाने के लिए शिक्षण-प्रशिक्षण पर अधिक आवंटन संभावित है। सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में निवेश, रेलवे, शहरी बुनियादी ढांचे में सुधार और क्षमता संवर्धन के साथ दीर्घावधि वृद्धि को बनाए रखने, वैश्विक क्षमता निर्माण और एकीकरण के लिए विभिन्न क्षेत्रों में मिशन मोड के नए सुधार नए बजट के माध्यम से आगे बढ़ते हुए दिखाई दे सकेंगे। साथ ही आगामी बजट के माध्यम से वित्त मंत्री सीतारमण तेज विकास के लिए जरूरी और वित्तीय सुधारों को लागू करने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने, उद्योग जगत की लाजिस्टिक्स लागत घटाने, रोजगार सृजित करने वाले मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर पर फोकस करने संबंधी बुनियादी रणनीतियां प्रस्तुत करते हुए दिखाई देंगी। यह भी संभावना है कि आगामी बजट में वित्त मंत्री युवाओं के बीच रोजगार बढ़ाने, कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, डिजिटल कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों को रोजगार बाजार की उभरती जरूरतों के अनुरूप ढालने, निजी निवेश को प्रोत्साहित करने, वित्तीय समावेशन को बेहतर करने और विदेशी निवेश को आकर्षित करने संबंधी प्रभावी प्रावधानों से सजाते हुए दिखाई दे सकती हैं। वित्त मंत्री सीतारमण नए बजट में किसान क्रेडिट कार्ड के तहत उधार की सीमा बढ़ाने और खाद्य महंगाई पर काबू पाने के लिए आपूर्ति संबंधी नए कदमों के साथ आगे बढ़ती हुई दिखाई दे सकती हैं। वित्त मंत्री तेज रोजगारोन्मुखी निर्यात क्षेत्रों से निर्यात बढ़ाकर नए रोजगार अवसरों को निर्मित कर सकती हैं। उम्मीद करें कि नया बजट आम आदमी के लिए राहत, बाजार के लिए रफ्तार और विकसित भारत के लिए साहसिक सुधारों को आगे बढ़ाने वाला ऐतिहासिक बजट होगा।

(लेखक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

गलत सोच का चश्मा जल्दी उतार देना चाहिए

संकलित
दर्शन

जब सोच निषेधात्मक या गलत होती है, तब वह सुख को भी दुख में परिवर्तित कर देती है। गलत सोच का चश्मा जितनी जल्दी हो, उतार देना चाहिए। बुरे विचार जितना दूसरों का नुकसान करते हैं, उतना ही स्वयं का भी करते हैं। कारण अपनी ही सुरक्षा को लेकर डरा दिमाग ढंग से नहीं सोच पाता। हम स्वार्थी हो जाते हैं, केवल अपने बारे में ही सोचते हैं। कहा गया है कि आपके विचार वहां तक ले जाते हैं, जहां आप जाना चाहते हैं। पर कमजोर विचारों में दूर तक ले जाने की ताकत नहीं होती। हम जो हैं वह सब विचारों का फल है। जो हम सोचते हैं, वही बन जाते हैं। मनुष्य अपने कार्यों से दूसरों को नुकसान पहुंचाता है और अपने विचारों से स्वयं को। गलत सोच एवं अनैतिक कार्यों में लिप्त लोगों को धनवान और प्रतिष्ठित होते देख आदमी में नकारात्मक चिंतन जागता है। अपनी ईमानदारी उसे मूर्खतापूर्ण लगती है। वह पुनर्चिंतन करता है-क्या मिला मुझे आदर्शों पर चलकर? यह नकारात्मक चिंतन उसे भी गलत सोच के दलदल में उतार देता है। समाज में भ्रष्ट और बेईमान लोगों की उत्पत्ति इसी तरह के गलत विचारों के संक्रमण से हुई। इस तरह का गलत सोच हमारी दुनिया को छोटा कर देता है। भीतर और बाहरी दोनों ही दुनिया सिमट जाती हैं। तब हमारी छोटी-सी सफलता अहंकार बढ़ाने लगती है। थोड़ा-सा दुख अवसाद का कारण बन जाता है। कुल मिलाकर सोच ही गड़बड़ हो जाता है। अपने ही बोले हुए को सुनते रहना ज्यादा सीखने नहीं देता।

तुलसीदास जी द्वारा श्रीराम के दर्शन का उपाय

संकलित
प्रेरणा

एक ब्राह्मण दिनभर गोस्वामी जी के कुटिया के बाहर बैठकर लोभवश राम-राम रटता। संध्या के समय श्रीहनुमान जी उसे धन दे देते थे। एक बार उसने भगवान के दर्शन के लिए बड़ा हठ किया। गोस्वामी जी ने कहा- उसके लिए प्रेम और भाव चाहिए, संत की कृपा चाहिए। ऐसे ही एकदम भगवान नहीं मिलते। उसने कहाः आप समर्थ महापुरुष है, आप भगवान के दर्शन करवा सकते है। वह हठ पर अड़ गया। गोस्वामी जी ने कहाः ठीक है यहाँ सामने इस पेड़ पर चढ़ जाओ, पेड़ के नीचे त्रिशूल गाढ़ दो और उस त्रिशूल पर कूद पडो। भगवान के दर्शन हो जाएंगे। वह त्रिशूल गाडकर वृक्षपर चढ़ा, परंतु कूदने की हिम्मत नहीं हुई। एक घुडसवार उधर से जा रहा था, उसने पूछाः पेड़ पर क्या कर रहे हो? ब्राह्मण बोलाः तुलसीदास जी ने कहा है पेड़ पर से त्रिशूल पर कूदो तुम्हे भगवान श्रीराम के दर्शन होंगे। उस व्यक्ति ने कहा- क्या सच में यह बात तुलसीदास जी के श्रीमुख से निकली है? ब्राह्मण बोला- जी हां ! वह व्यक्ति तुरंत पेड़ पर चढ़कर त्रिशूल पर कूद पड़ा। उसे भगवान ने आकर हाथ से पकड़ लिया और उसे श्रीराम के दर्शन प्राप्त हो गए। हनुमान जी ने उसे तत्त्वज्ञान का उपदेश भी दिया। गोस्वामी जी ने सत्य ही कहा था, जिनमें प्रेम-भाव हो एवं संत की कृपा हो वही भगवान के दर्शन पाता है।

अंतर्मन

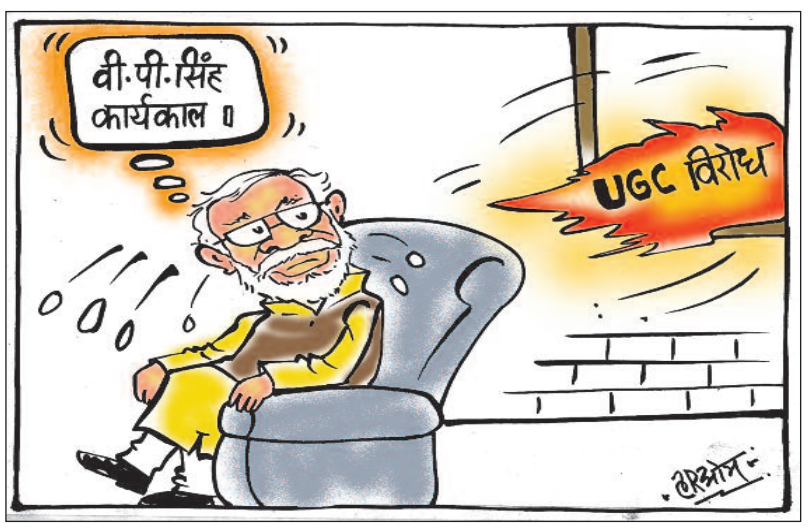

आज की पाती

लाला लाजपतराय जी का प्रेरणादायक जीवन

भारत में बहुत से महापुरुष हुए। इन महापुरुषों ने भारत को ही नहीं, बल्कि दुनिया को अच्छे मार्ग पर ले जाने के लिए बहुत से काम किए और दुनिया के लिए प्रेरक बनें। इन्हीं में से एक थे लाला लाजपतराय। उनका जन्म 28 जनवरी, 1865 को पंजाब में हुआ था। वह लेखक, वकील, क्रांतिकारी और बहुत से अच्छे गुणों से परिपूर्ण थे। उनका देश की आजादी में भी महत्वपूर्ण योगदान था। उन्होंने साइमन कमीशन का विरोध वर्ष 1928 में किया था। इस विरोध के कारण उन पर लाठीचार्ज भी हुआ था। उन्हें पंजाब का शेर और पंजाब केसरी की उपाधि से नवाजा गया था। उन्होंने आर्य समाज के लिए भी काम किया था। उनकी जयंती पर राष्ट्र उन्हें नमन कर रहा है। *– प्रतीक जैन, धमतरी*

फोन हैकिंग के प्रयास को गंभीरता से क्यों नहीं लिया जाता?

आज का मोबाइल फोन केवल कॉल करने या संदेश भेजने का साधन नहीं है। यह हमारी डिजिटल पहचान, आर्थिक सुरक्षा, निजता, सामाजिक प्रतिष्ठा और कई बार व्यक्तिगत सुरक्षा का केंद्र बन चुका है। इसके बावजूद जब किसी व्यक्ति द्वारा फोन हैक करवाने या उसका प्रयास किए जाने की शिकायत सामने आती है, तो उसे अक्सर यह कहकर टाल दिया जाता है कि, "हैक तो हुआ नहीं, नुकसान क्या हुआ?" यही सोच इस पूरे विषय की सबसे बड़ी और खतरनाक भूल है। अपराध परिणाम से नहीं, इरादे और प्रयास से तय होता है। कानून में अपराध की परिभाषा केवल इस बात से नहीं होती कि अंतिम परिणाम क्या रहा, बल्कि इस बात से होती है कि इरादा (**Mens Rea**) क्या था और प्रयास (**Attempt**) किया गया या नहीं। जिस प्रकार- हत्या का प्रयास भी अपराध है, चोरी का प्रयास भी दंडनीय है। उसी प्रकार फोन हैक करने का प्रयास भी एक गंभीर साइबर अपराध है, भले ही वह तकनीकी कारणों से सफल न हो पाया हो। इसके बावजूद व्यवहार में **FIR** दर्ज नहीं होती, मामला **Non Cognizable** बताकर ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है, पीड़ित को मानसिक, सामाजिक और कानूनी रूप से अकेला छोड़ दिया जाता है, यह प्रवृत्ति कानून की भावना के विपरीत है।

फोन हैकिंग : कानूनी रूप से कितना मजबूत मामला है

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के अंतर्गत फोन हैकिंग या उसके प्रयास पर कई सशक्त धाराएँ लागू होती हैं। धारा 43 / 66 : बिना अनुमति डिजिटल सिस्टम तक पहुँच। धारा 66**C** : डिजिटल पहचान (**OTP**, **SIM**, अकाउंट) का दुरुपयोग। धारा 66**D** : धोखाधड़ी की नीयत से कंप्यूटर संसाधन का प्रयोग। धारा 72 : गोपनीयता का उल्लंघन।

इसके अतिरिक्त **IPC** की धाराएँ :419, 420, 506 और महिलाओं के मामलों में 354**D** ,भी परिस्थितियों के अनुसार लागू होती हैं। स्पष्ट है कि कानून में हैकिंग का प्रयास स्वयं में दंडनीय अपराध है, बशर्ते इरादा और तैयारी सिद्ध हो, जो आज के डिजिटल युग में चैट, कॉल रिकॉर्ड, ट्रांजैक्शन और बयानों से संभव है। जब एक से अधिक लोग शामिल हों : यह आपराधिक साजिश है। वास्तविकता यह है कि फोन हैकिंग प्रायः किसी एक व्यक्ति का काम नहीं होती। अक्सर इसमें निर्देश देने वाला तकनीकी रूप से सक्षम व्यक्ति (हैकर) और सहयोगी या आर्थिक लेन-देन से जुड़े लोग शामिल होते हैं। ऐसी स्थिति में भारतीय दंड संहिता की धारा 120-**B** (आपराधिक साजिश) स्वतः लागू होती है। यदि दो या अधिक व्यक्ति किसी अवैध कार्य को करने या करवाने पर सहमत होते हैं, तो भले ही अपराध पूर्ण न हुआ हो, साजिश स्वयं एक स्वतंत्र अपराध है। इस पहलू की अनदेखी कर देना अपराधियों को सीधा लाभ पहुंचाता है। "कम पैसे में हैकर लगाया गया" या कम राशि में **hacker** तैयार हुआ काम को अंजाम देने के लिए इसलिए **hacking** संभव ही नहीं है।

एक खतरनाक भ्रम है : अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि यदि हैकर को कम राशि दी गई हो, या भुगतान पूरा न हुआ हो, तो अपराध गंभीर नहीं माना जा सकता। यह धारणा पूरी तरह गलत है।

हैकिंग: एक तकनीकी क्षमता है। यह आवश्यक नहीं कि हर बार पैसे के बदले ही की जाए, तकनीकी रूप से सक्षम व्यक्ति इसे मुफ्त में भी कर सकता है। कानून के लिए यह महत्वपूर्ण नहीं कि कितने पैसे दिए गए, बल्कि यह महत्वपूर्ण है कि किस उद्देश्य से डिजिटल गोपनीयता में सेंध लगाने का प्रयास किया गया। राशि कम होने से अपराध न तो हल्का होता है, न वैध। *– शारदा सिंह*

करंट अफेयर

कैम्ब्रिज विवि ने भारत में नया शोध केंद्र किया शुरू

ब्रिटेन के प्रतिष्ठित कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने भारत में अपनी पहुंच का विस्तार करते हुए एक नए शोध केंद्र की शुरुआत और शीर्ष स्तर के स्नातक छात्रों के लिए अतिरिक्त प्रवेश मार्गों की घोषणा की है। विश्वविद्यालय ने बताया कि 'कैम्ब्रिज –इंडिया सेंटर फॉर एडवांस्ड स्ट्डीज' (सीएएस) नवाचार, शोध और शिक्षण पर केंद्रित होगा तथा ब्रिटेन के अग्रणी विश्वविद्यालय और भारत की तेजी से बढ़ती ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करेगा। यह नया केंद्र भारत में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय की गतिविधियों के लिए एक केंद्रीय मंच के रूप में काम करेगा और बौद्धिक आदान-प्रदान, नीति निर्माण में योगदान और सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देगा। कैम्ब्रिज की कुलपति डेबोरा प्रेंटिस ने कहा, कैम्ब्रिज –इंडिया सीएएस भारत के श्रेष्ठ शोधकर्ताओं और नवोन्मेषकों के साथ सहयोग स्थापित करने और इस तेजी से बढ़ती ज्ञान अर्थव्यवस्था के साथ संबंध मजबूत करने का एक रोमांचक अवसर है। इस सप्ताह दिल्ली आए वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहीं प्रोफेसर प्रेंटिस ने यह भी घोषणा की कि विश्वविद्यालय कुछ स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए अतिरिक्त आवश्यकताओं के साथ सीबीएसई की 12वीं कक्षा की योग्यता को मान्यता देगा।

ऑफ बीट

कसरत की थकान से उबरने में आइस बाथ है लोकप्रिय

पिछले कुछ साल में 'आइस बाथ' का चलन तेजी से बढ़ा है। दुनिया भर में खुद को स्वस्थ रखने वाले और व्यायाम करने वाले लोग इसे अपना रहे हैं, हालांकि पहले केवल एथलीट ही इसका उपयोग करते थे। 'आइस बाथ' का मतलब बर्फ के छोटे–छोटे टुकड़ों से भरे पानी में नहाना है। कसरत की थकान से उबरने के लिए 'आइस बाथ' 'आइस बाथ' लेने का मुख्य कारण मांसपेशियों में दर्द को कम करना और व्यायाम के बाद थकान से उबरना है। धावक, भारोत्तोलक और फुटबॉल खिलाड़ी सहित एथलीट आमतौर पर 'आइस बाथ' का उपयोग करते हैं। इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि 'आइस बाथ' लेने से कसरत के बाद होने वाली थकान को दूर किया जा सकता है। शोध से पता चला है कि गहन व्यायाम के तुरंत बाद 'आइस बाथ' लेने से अगले कुछ घंटे और दिनों में मांसपेशियों का दर्द कम हो सकता है। 'आइस बाथ' से मांसपेशियों की ताकत, मजबूती और लचीलेपन जैसी चीजों में मदद मिल सकती है। 'आइस बाथ' से व्यायाम के बाद होने वाली सूजन, मांसपेशियों की सूजन और मांसपेशियों की क्षति जैसी चीजों में सुधार हो सकता है। अगर आप ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें लगातार कई दिन तक तीव्र व्यायाम करना पड़ता है तो आपके लिए 'आइस बाथ' एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

अजित पवार की मौत पर विपक्ष ने उठाई मांग

'यह छोटा विमान था, ऐसा क्यों हुआ, इसकी जांच तो होनी चाहिए'

ममता ने कहा- एजेंसियां भ्रष्ट, सुप्रीम कोर्ट करे जांच

खड़गे, अखिलेश, अठावले ने भी बताई जांच की जरूरत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार से संबंधित विमान हादसे पर दुख जताते हुए इस मामले की जांच की मांग की। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख बनर्जी ने यह भी कहा कि यह जांच उच्चतम न्यायालय की निगरानी में होनी चाहिए। ममता ने पत्रकारों से कहा, 'हमें सिर्फ उच्चतम न्यायालय पर भरोसा है। बाकी सभी एजेंसियां पूरी तरह से भ्रष्ट हो चुकी हैं।' उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अजित पवार अपने चाचा शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में लौटने की योजना बना रहे थे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा, 'आज सुबह अजित पवार की मृत्यु की खबर सुनकर मैं सचमुच स्तब्ध रह गई। इससे पता चलता है कि इस देश में राजनीतिक दलों के नेताओं के लिए भी कोई सुरक्षा नहीं है।'

यह कहा खड़गे ने

ममता बनर्जी की इस मांग के बारे में पूछे जाने पर खड़गे ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, 'जांच तो होनी चाहिए क्योंकि ऐसा हादसा हुआ है..सभी नेता (विमान से) जाते हैं, कॉरपोरेट (के लोग) भी जाते हैं। अहमदाबाद में दुर्घटना हुई। यह छोटा विमान था, ऐसा क्यों हुआ, इसकी जांच तो होनी चाहिए।'

निष्पक्ष हो जांच : अखिलेश

अखिलेश यादव ने कहा, 'वह बड़े नेता थे, कई बार उप मुख्यमंत्री रहे, महाराष्ट्र में लोकप्रिय नेता रहे। आज के समय में हम इतना जागरुक हैं, प्रौद्योगिकी समझते हैं। पूर्व में पहले भी कई वीआईपी की जान इसी तरह गई है। ऐसी जांच हो जिसमें निष्पक्ष तरीके से पता चले कि यह घटना कैसे हुई।' केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने भी विमान हादसे के मामले में जांच की मांग की है।

अजित के निधन से अधर में एनसीपी, भविष्य को लेकर उठा सवाल

अजित का निधन महाराष्ट्र की सियासत के लिए बहुत बड़ा झटका है। इस हादसे ने सिर्फ बीजेपी की अगुवाई वाली राज्य सरकार में एक बड़ा शून्य पैदा कर दिया है, बल्कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के भविष्य पर भी सवाल उठा दिए हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि हादसे के बाद अब एनसीपी एक गंभीर नेतृत्व संकट का सामना कर सकती है, क्योंकि पार्टी में कोई स्पष्ट सेकेंड इन कमांड मौजूद नहीं है। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार इस समय राज्यसभा सांसद हैं और राजनीतिक रूप से सक्रिय भी रही हैं, लेकिन उनके पास प्रशासनिक अनुभव की कमी मानी जाती है। एनसीपी के राज्य अध्यक्ष सुनील तटकरे और राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल के अलावा पार्टी में ऐसा कोई वरिष्ठ नेता नहीं दिखता जो अजित पवार की जगह ले सके। एकमात्र अन्य जनाधार वाले नेता छगन भुजबल जिन्हें हाल ही में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बरी किया गया है लेकिन वे इस समय अस्वस्थ हैं। जानकारों का मानना है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सामने भी अब सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि अजित पवार के साथ जुड़े 41 विधायक शरद पवार के खेमे की ओर वापस न लौट जाएं।

चाचा के साथ विलय की थी चर्चाएं

राज्य की राजनीति में एनसीपी (एसपी) और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के संभावित विलय को लेकर चर्चाएं थीं लेकिन विमान हादसे में अजित पवार के निधन के बाद उनके गुट का भविष्य अनिश्चितता में घिर गया है। वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश अकोलकर ने कहा कि दोनों एनसीपी गुट 5 फरवरी को होने वाले जिला परिषद चुनाव 'घड़ी' चुनाव चिह्न पर मिलकर लड़ रहे हैं, जो एक तरह से अनौपचारिक विलय का संकेत है।

14 सालों में 6 बार बने उपमुख्यमंत्री

अजित पवार देश में सबसे ज्यादा उपमुख्यमंत्री के पद पर रहे। पिछले 14 सालों में 6 बार उप मुख्यमंत्री बनने का अवसर मिला। अजित का जन्म 22 जुलाई 1959 को हुआ था। अजित के चाचा शरद पवार महाराष्ट्र की राजनीति में पहले से ही एक स्थापित कांग्रेसी नेता थे। अजित ने राजनीति की शुरुआत 1982 में की, जब वह मात्र 23 वर्ष के थे। उन्होंने सबसे पहले एक चीनी सहकारी संस्था का चुनाव लड़ा। इसके बाद 1991 में वह पुणे सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष बने और 16 सालों तक इस पद पर काबिज रहे। वह साल 1991 में बारामती से लोकसभा के लिए चुने गए लेकिन अपने चाचा शरद पवार के लिए सीट छोड़ दी थी। इसके बाद उसी वर्ष वह महाराष्ट्र विधानसभा के लिए चुने गए। अजित पवार 1995 में महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव के लिए बारामती सीट से खड़े हुए और इसके बाद उन्होंने लगातार कई चुनाव जीते। 2024 में लगातार सात बार इस सीट से विधायक बने।

पूर्व मंत्री की बेटी से की शादी

अजित की शादी महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री पद्मसिंह बाजीराव पाटिल की बेटी सुनेत्रा पवार से हुई है। दोनों के दो बेटे हैं, जय पवार और पार्थ पवार. जय जहां बिजनेस से जुड़े हैं, वहीं पार्थ ने पिता के नक्शेकदम पर राजनीति में उतरते हुए साल 2019 में महाराष्ट्र के मावल निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ा लेकिन हार गए।

बारामती में दिवंगत अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को हाथ जोड़े बैठे देखा जा सकता है। उनके बगल में राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे।

एनसीपी–एससीपी सांसद सुप्रिया सुले और डिप्टी सीएम अजित पवार की पत्नी एवं राज्यसभा सांसद सुनेत्रा पवार पवार परिवार के सदस्यों से मिलते समय भावुक हो गईं।

पवार के साथ इनकी भी इहलीला समाप्त

प्राइवेट चार्टर विमान लेर्जेट 45 के हादसे में सिर्फ देश ने सिर्फ अजित पवार जैसा वरिष्ठ नेता ही नहीं खोया बल्कि भारतीय कॉर्पोरेट एविएशन के दो प्रशिक्षित पायलटों की जिंदगी भी खत्म हो गई। उनके साथ कॉकपिट में मौजूद 25 वर्षीय को-पायलट शांभवी पाठक और पायलट-इन-कमांड सुमित कपूर, जिनके करियर की दिशा अलग-अलग थी लेकिन आखिरी उड़ान एक ही रही।

ग्वालियर से पढ़ाई की थी शांभवी ने

शांभवी पाठक देश की उन नई महिला पायलटों में थीं जो कॉर्पोरेट और चार्टर एविएशन में अपनी जगह बना रही थीं. उन्होंने ग्वालियर के एयरफोर्स स्कूल से पढ़ाई के बाद एविएशन की राह चुनी। मुंबई यूनिवर्सिटी से एयरोनॉटिक्स/एविएशन में पढ़ाई की और फिर न्यूजीलैंड से कमर्शियल पायलट ट्रेनिंग ली। उनके पास कमर्शियल पायलट लाइसेंस (सीपीएल) के साथ फ्लाइट इंस्ट्रक्टर रेटिंग (ए) भी था।

पिंकी की पिता से हुई थी बात

हादसे में जान गंवाने वाली फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली के पिता ने बताया कि बेटी से उनकी बात कल हुई थी। पिंकी के पिता व्याकुल शिवकुमार माली ने बताया कि उनकी बेटी ने उनसे कहा था कि वह बुधवार को उनसे बात करेगी। शिवकुमार ने कहा कि उनकी बेटी अब उनसे कभी बात नहीं करेगी। मध्य मुंबई के प्रभादेवी निवासी शिवकुमार ने अपनी बेटी के साथ हुई आखिरी बातचीत को याद करते हुए बताया कि पिंकी ने कहा था कि पापा, मैं कल (बुधवार) उप मुख्यमंत्री पवार के साथ बारामती जा रही हूं।

अनुभवी कमांडर थे सुमित कपूर

विमान की कमान कैप्टन सुमित कपूर के हाथ में थी, जो इस फ्लाइट के पायलट इन कमांड थे. बिजनेस जेट ऑपरेशंस में उनकी गिनती अनुभवी पायलटों में होती थी। वीएसआर एविएशन के साथ जुड़े सुमित कपूर पहले भी लार्जेट जैसे हाई-स्पीड, शॉर्ट-रनवे जेट्स उड़ा चुके थे। हालांकि उनके शुरुआती करियर और ट्रेनिंग से जुड़ी जानकारियां सार्वजनिक रूप से सीमित हैं, लेकिन एविएशन सर्कल में उन्हें एक सीनियर और भरोसेमंद जेट पायलट माना जाता था। यह हादसा सिर्फ एक विमान दुर्घटना नहीं, बल्कि उस सिस्टम पर भी सवाल है जिसमें चार्टर एविएशन की निगरानी, पायलट ड्यूटी शेड्यूल और सेफ्टी ऑडिट शामिल हैं।

साये की तरह अजित के साथ रहते थे जाधव

हादसे में जान गंवाने वाले विदीप दिलीप जाधव महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के वफादार और सतर्क अंगरक्षक (पीएसओ) थे। वे 2009 से मुंबई पुलिस में सेवारत थे और वर्षों से अजित पवार के साथ साये की तरह रहते थे,मिली जानकारी के अनुसार विदीप जाधव 2009 से मुंबई पुलिस में कार्यरत थे। उनकी गिनती अजित पवार के भरोसेमंद बॉडीगार्ड (पीएसओ) के रूप में की जाती थी। विदीप मूल रूप से ठाणे के विटावा इलाके के रहने वाले थे। अजित पवार के दौरे और सभाओं के दौरान विदीप की उनकी सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

मीटिंग के दौरान फेंका स्प्रे

ट्रंप विरोधी महिला सांसद इल्हान ओमर पर हमला

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिका के मिनेसोटा राज्य में एक मीटिंग के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मुखर आलोचक महिला सांसद इल्हान ओमर पर हमला किया गया। मंगलवार को मिनियापोलिस में आयोजित कार्यक्रम में एक व्यक्ति ने उन पर अज्ञात लिक्विड स्प्रे किया। हमले के बाद सुरक्षाकर्मियों ने आरोपी को मौके पर ही दबोच लिया। सांसद ओमर को कोई चोट नहीं आई। रॉयटर्स के मुताबिक, घटना के वक्त इल्हान ओमर मंच से इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट एजेंसी को खत्म करने की मांग कर रही थीं। उसी दौरान एक व्यक्ति मंच की ओर दौड़ा और सिरिंज से गहरे रंग का लिक्विड उन पर छिड़क दिया। हमलावर को थर्ड-डिग्री असॉल्ट के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने अब तक यह नहीं बताया है कि तरल पदार्थ क्या था। यह पूरी घटना सी-एसपीएएन के वीडियो में रिकॉर्ड हुई। इसके बावजूद ओमर मंच पर लौटीं और कहा, 'हम मिनेसोटा स्ट्रॉन्ग हैं और ऐसे लोगों से डरने वाले नहीं हैं।'

उधर, जयपुर एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला

रनवे छूते ही वापस उड़ा एयर इंडिया का विमान... राजस्थान कांग्रेस प्रभारी थे सवार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली से जयपुर आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-1719 की लैंडिंग अस्थिर अप्रोच के कारण फेल हो गई। पायलट ने गो-अराउंड किया।

करीब 10 मिनट बाद सुरक्षित लैंडिंग हुई। विमान में राजस्थान कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा सवार थे। दिल्ली से जयपुर पहुंची एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-1719 की लैंडिंग फेल होने से बुधवार दोपहर यात्रियों में दहशत फैल गई। दोपहर करीब 1:05 बजे विमान ने जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंडिंग का प्रयास किया, लेकिन रनवे को टच करते ही पायलट ने आखिरी क्षणों में फैसला बदलते हुए विमान को दोबारा हवा में उठा लिया। लैंडिंग के दौरान अस्थिर अप्रोच की स्थिति बन गई थी।

पहले भी फेल हो चुकी है लैंडिंग

इस फ्लाइट में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा भी सवार थे। घटना के दौरान कुछ देर के लिए यात्रियों में चिंता का माहौल रहा, हालांकि किसी तरह की अनहोनी नहीं हुई। यदि पायलट को किसी भी स्तर पर लैंडिंग सुरक्षित नहीं लगती, तो वह विमान को दोबारा हवा में उठाने का फैसला ले सकता है। जयपुर एयरपोर्ट पर इससे पहले भी लैंडिंग फेल होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

सोनमर्ग में आया खतरनाक एवलांच, सीसीटीवी में कैद हुआ नजारा

कुछ सेकेंड में होटलों पर छाया बर्फीला सैलाब

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के पर्यटन स्थल सोनमर्ग से भयावह वीडियो सामने आया है, जिसमें पहाड़ों से अचानक टूटकर गिरता विशाल बर्फीला सैलाब यानी एवलांच नजर आ रहा है। यह खौफनाक मंजर होटल इलाके का है, जहां कुछ ही सेकंड में पहाड़ों के बीच बर्फ के गुबार ने पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। यह पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल है। यह एवलांच मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में स्थित सोनमर्ग इलाके का है। वीडियो फुटेज में साफ दिख रहा है कि कैसे ऊंचे पहाड़ों से अचानक भारी मात्रा में बर्फ नीचे की ओर फिसलती है और कुछ ही पलों में विशाल बर्फीला बादल पूरे इलाके को कवर कर लेता है। एवलांच होटल जोन के ऊपर गिरा, जिससे आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

अचानक आया बर्फीला बादल

जान-माल के नुकसान की खबर नहीं

गनीमत रही कि इस घटना में किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन एजेंसियों के अनुसार, एवलांच होटल परिसर से थोड़ी दूरी पर रुक गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद सुरक्षाबलों और प्रशासनिक टीमों ने इलाके का निरीक्षण किया और स्थिति का जायजा लिया। दरअसल, कश्मीर घाटी में बीते कुछ दिनों से लगातार भारी बर्फबारी हो रही है। खासकर सोनमर्ग और आसपास के पहाड़ी इलाकों में रिकॉर्ड स्तर की बर्फ जमा हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, कुछ ऊंचाई वाले क्षेत्रों में करीब 6 फीट तक बर्फ जमा हो चुकी है। इसी वजह से पहाड़ी ढलानों पर दबाव बढ़ गया है, जिससे एवलांच का खतरा लगातार बना हुआ है।

स्पेशल वर्ल्ड कैंसर डे 4 फरवरी

डॉक्टर्स एडवाइस

विवेक शुक्ला

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, कैंसर दुनिया भर में होने वाली मौतों का हृदय रोगों के बाद दूसरा सबसे बड़ा कारण है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और नेशनल सेंटर फॉर डिजीज इंफॉर्मेटिक्स एंड रिसर्च, बेंगलुरु के अनुसार 13.9 लाख व्यक्ति सन 2020 में भारत में कैंसर से ग्रस्त थे और दुनिया भर में 7.5% कैंसर मरीज भारतीय हैं। ऐसे आंकड़े कैंसर को लेकर हमारी चिंता बढ़ाते हैं। लेकिन सुखद है कि नए रिसर्च के अनुसार इसे कंट्रोल करना और समय रहते पता चलने पर ट्रीटमेंट संभव है। कैंसर से जुड़ी बहुत यूजफुल इंफॉर्मेशंस यहां दे रहे हैं।

अवेयरनेस-प्रिकॉशन से संभव है कैंसर से बचाव

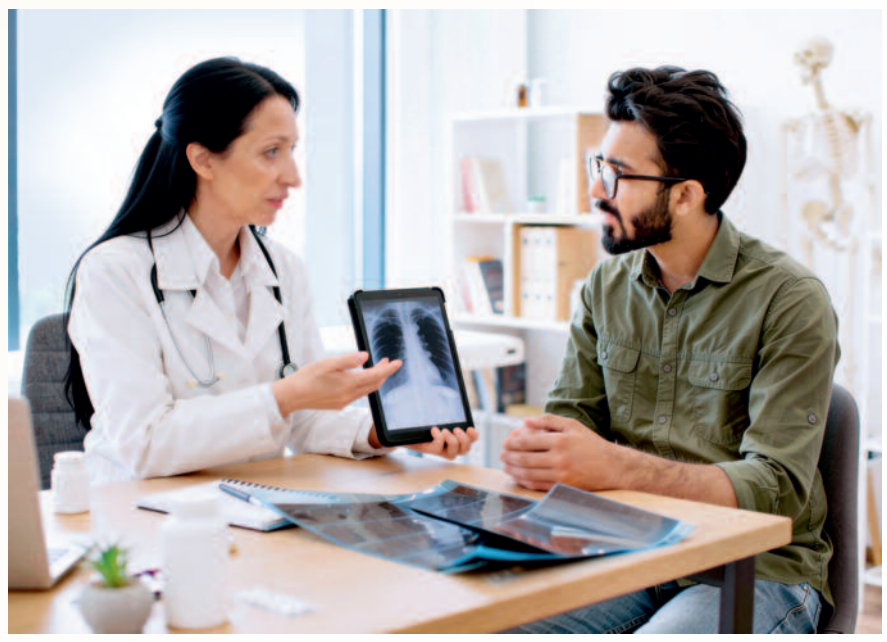

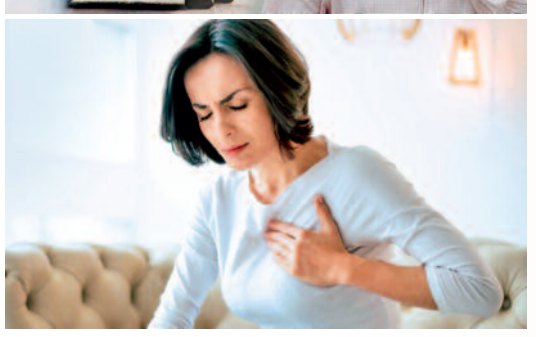

अमेरिकन सोसायटी ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी के अनुसार, वे दिन अब बीत चुके हैं, जब कैंसर को मृत्यु की पूर्व-चेतावनी माना जाता था। ऐसा इसलिए है क्योंकि पिछले दो दशकों में कैंसर की जांच और उपचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है, जिसके कारण इससे छुटकारा पाने और पुनः स्वस्थ होने की संभावनाएं पहले की तुलना में काफी बढ़ गई हैं।

इसके बावजूद भारत के संदर्भ में आज भी विभिन्न प्रकार के कैंसर के तीसरे और चौथे चरण में पहुंचे अधिकांश मरीज असमय मृत्यु का शिकार हो रहे हैं। साथ ही, देश के ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में कैंसर से जुड़े अनेक मामले आज भी रिपोर्ट नहीं हो पाते। स्पष्ट है कि यह एक गंभीर समस्या है।

कैंसर क्यों होता है

अमेरिकन कैंसर सोसायटी के अनुसार, कैंसर सामान्यतः कोशिकाओं के डीएनए में होने वाले म्यूटेशन के कारण होता है। डीएनए में मौजूद जीन कोशिकाओं को यह निर्देश देते हैं कि उन्हें कैसे बढ़ना है, कितनी बार विभाजित होना है और किस प्रकार कार्य करना है। जब डीएनए में कोई गड़बड़ी उत्पन्न हो जाती है, तो कोशिकाएं अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती हैं, जो आगे चलकर कैंसर का कारण बनती हैं।

लक्षणों पर दें ध्यान

जिस अंग में कैंसर होता है, उससे संबंधित लक्षण प्रकट होते हैं। उदाहरण के लिए, फेफड़ों के कैंसर में सांस लेने में तकलीफ होती है, जबकि यकृत (लिवर) कैंसर में भूख न लगना और पाचन संबंधी समस्याएं होती हैं। हालांकि कुछ सामान्य लक्षण भी हो सकते हैं-

किसी घाव या जख्म का लंबे समय तक न भरना। बिना कारण वजन घटना (6 महीनों में 10% से अधिक)। त्वचा के भीतर गांठ महसूस होना, जो तेजी से बढ़ रही हो (ध्यान रखें, हर गांठ कैंसर नहीं होती है)। शरीर के किसी हिस्से में लगातार सूजन होना। खून की कमी (एनीमिया)। बार-बार बुखार आना। मल या मूत्र में रक्त आना। लंबे समय तक थकान या अस्वस्थता महसूस होना। मस्सों या तिलों के रंग, आकार या बनावट में बदलाव। भूख में लगातार कमी होना। इन लक्षणों के दिखने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।

कैंसर के कारण

लगभग 10% कैंसर आनुवंशिक होते हैं, जबकि शेष 90% कैंसर अस्वास्थ्यकर जीवनशैली के कारण उत्पन्न होते हैं, जो जीन में म्यूटेशन का कारण बनती है। रिस्क फैक्टर्स में शामिल हैं- जंक फूड का सेवन अधिक करना। लंबे समय तक जंक और पैकेज्ड फूड का सेवन पेट व बड़ी आंत (कोलन) के कैंसर का खतरा बढ़ाता है, क्योंकि इनमें पोषक तत्व कम और वसा, नमक व तेल अधिक होते हैं। धूम्रपान से फेफड़ों में हानिकारक रसायन पहुंचते हैं, जो जीन में विकृति पैदा करते हैं। फेफड़ों के कैंसर का यह प्रमुख कारण है। किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन मुंह, जीभ, गाल और गले के कैंसर का खतरा बढ़ाता है। नियमित व्यायाम न करने से मोटापा बढ़ता है, जो स्तन, गर्भाशय और बड़ी आंत के कैंसर का कारण बन सकता है। बढ़ता वायु प्रदूषण, खासकर वाहनों से निकलने वाला धुआं, फेफड़ों के कैंसर का खतरा बढ़ाता है। अधिक और नियमित शराब सेवन कोशिकाओं की जेनेटिक संरचना को नुकसान पहुंचाता है और कैंसर के जोखिम को बढ़ाता है। ऐसे में स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर और नशे की आदतें छोड़कर कैंसर से काफी हद तक बचाव संभव है।

उपचार के तरीके

पिछले कुछ वर्षों में कैंसर उपचार में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। पहले जहां चौथे चरण के कैंसर में औसत जीवन अवधि लगभग 6 महीने थी, वहीं अब यह 4–5 वर्ष या उससे अधिक हो सकती है। यदि कैंसर का पता पहले या दूसरे चरण में चल जाए, तो अधिकांश मामलों में पूर्ण उपचार संभव है। कई उपचार पद्धतियां कारगर हो सकती हैं। पहले की तुलना में कीमोथेरेपी में साइड इफेक्ट्स कम होते हैं। ह्यूमन जीनोम प्रोफाइलिंग और टारगेटेड थेरेपी और इम्यूनोथेरेपी, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को सक्रिय करता है, भी कारगर हैं।

महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसर

भारत में महिलाओं में सबसे अधिक पाए जाने वाले कैंसरों में स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर, अंडाशय (ओवेरियन) कैंसर तथा गर्भाशय का कैंसर प्रमुख हैं। समय पर जांच और जागरूकता से इन कैंसरों की पहचान शुरुआती अवस्था में संभव है।

स्तन कैंसर: स्तन कैंसर के संभावित कारणों में देर से रजोनिवृत्ति (मेनोपॉज) होना, लंबे समय तक हार्मोनल गर्भनिरोधक गोलियों का सेवन कुछ मामलों में जोखिम बढ़ा सकता है, हार्मोनल असंतुलन, शारीरिक गतिविधि की कमी, मोटापा तथा कम अवधि तक स्तनपान कराना, बीआरसीए-1, बीआरसीए-2 तथा पी-53 जैसे जीन में उत्परिवर्तन (म्यूटेशन), शामिल हैं।

प्रमुख लक्षण: स्तन या बगल के पास कठोर गांठ, जो प्रायः दर्द रहित होती है। स्तन की त्वचा में लालिमा, मोटापन या सिकुड़न। निप्पल से तरल का स्राव, जिसमें कभी-कभी खून भी हो सकता है। निप्पल का अंदर की ओर धंसना या उसमें जलन। स्तन के आकार या बनावट में बदलाव

रोकथाम: चिकित्सक से परामर्श लेकर नियमित रूप से स्तन की स्व-परीक्षा करना, आवश्यकतानुसार मैमोग्राफी कराना, स्वस्थ जीवनशैली अपनाना और वजन नियंत्रित रखना, नियमित व्यायाम एवं प्राणायाम करना, अधिक समय तक स्तनपान कराने से स्तन कैंसर का जोखिम कम होता है।

उपचार: जांचों के बाद रोग की अवस्था के अनुसार कैंसर विशेषज्ञ सर्जरी, रेडिएशन थेरेपी, कीमोथेरेपी, हार्मोनल थेरेपी, टार्गेटेड थेरेपी अथवा इम्यूनोथेरेपी में से उपयुक्त उपचार का चयन करते हैं।

सर्वाइकल कैंसर: गर्भाशय के निचले हिस्से को गर्भाशय ग्रीवा कहा जाता है। इसी भाग से उत्पन्न होने वाले कैंसर को सर्वाइकल कैंसर कहा जाता है।

कारण: सर्वाइकल कैंसर का मुख्य कारण ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) का लंबे समय तक शरीर में बना रहना है, जो यौन संपर्क के माध्यम से फैलता है।

लक्षण: माहवारी के बीच या बाद में असामान्य रक्तस्राव, शारीरिक संबंध के बाद रक्तस्राव या दर्द, रजोनिवृत्ति के बाद रक्तस्राव, पेशाब करते समय दर्द या जलन।

उपचार: प्रारंभिक अवस्था में सर्जरी या रेडिएशन थेरेपी की जाती है। उन्नत अवस्था में कीमोथेरेपी के साथ रेडिएशन थेरेपी दी जाती है।

रोकथाम: एचपीवी संक्रमण से बचाव के लिए टीके उपलब्ध हैं। कैंसर-पूर्व परिवर्तनों की पहचान हेतु पैप स्मीयर एवं एचपीवी टेस्ट किए जाते हैं। नियमित जांच से सर्वाइकल कैंसर का समय रहते पता लगाया जा सकता है।

ओवेरियन कैंसर: ओवेरियन कैंसर अंडाशय में होता है, जिसमें असामान्य गांठ या ट्यूमर विकसित हो सकता है, जो कई बार सिस्ट के रूप में दिखाई देता है।

लक्षण: पेट में सूजन या लगातार दर्द। भूख न लगना या जल्दी पेट भर जाना। पेट के निचले हिस्से में भारीपन। बार-बार पेशाब की इच्छा। कब्ज या पाचन संबंधी परेशानी।

संभावित कारण: कम उम्र में माहवारी का शुरू होना। देर से रजोनिवृत्ति होना, मोटापा, लगभग 10% मामलों में आनुवांशिक कारण, बीआरसीए-1 और बीआरसीए-2 जीन में उत्परिवर्तन होने पर जीवनकाल में ओवेरियन कैंसर का खतरा 40–50% तक बढ़ सकता है।

बचाव: जिन महिलाओं के परिवार में स्तन, ओवेरियन, कोलोन या पैंक्रियाज कैंसर का इतिहास हो, उन्हें विशेषज्ञ से परामर्श लेकर नियमित जांच करानी चाहिए। नियमित व्यायाम एवं वजन नियंत्रण से जोखिम कुछ हद तक कम किया जा सकता है।

उपचार: रोग की अवस्था के अनुसार सर्जरी, कीमोथेरेपी, हार्मोन थेरेपी, टार्गेटेड थेरेपी, इम्यूनोथेरेपी तथा कुछ मामलों में रेडियोथेरेपी का उपयोग किया जाता है।

फेफड़ों का कैंसर: विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विभिन्न प्रकार के कैंसर से होने वाली कुल मौतों में फेफड़ों का कैंसर सबसे प्रमुख कारण है।

कारण: फेफड़ों के कैंसर का सबसे मुख्य कारण धूम्रपान और तंबाकू का सेवन है। इसके अतिरिक्त, जो लोग धूम्रपान करने वालों के संपर्क में रहते हैं, उन्हें भी कैंसर होने का खतरा रहता है। ऐसे व्यक्तियों को पैसिव स्मोकर कहा जाता है। इसके अलावा, लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण, धुआं, धूल और वायु प्रदूषण के संपर्क में रहना भी फेफड़ों के कैंसर का कारण बन सकता है।

लक्षण: सांस लेने में तकलीफ, बार-बार खांसी आना, सीने में घरघराहट, सीने में दर्द, खांसी या थूक में खून आना।

जांच: छाती का एक्स-रे, सीटी स्कैन/ पैट-सीटी स्कैन, एमआरआई, रक्त एवं मूत्र परीक्षण, बायोप्सी, ब्रोंकोस्कोपी।

उपचार: फेफड़ों के कैंसर के उपचार के प्रमुख तरीके निम्नलिखित हैं। प्रारंभिक अवस्था में कैंसर का इलाज सर्जरी द्वारा संभव है। रेडिएशन थेरेपी में फोटॉन थेरेपी एवं प्रोटॉन थेरेपी शामिल हैं। उच्च ऊर्जा विकिरण द्वारा कैंसर कोशिकाओं को नष्ट किया जाता है। एक्सटर्नल बीम रेडिएशन थेरेपी से अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। जब कैंसर फेफड़ों से अन्य अंगों में फैल चुका हो, तब कीमोथेरेपी, इम्यूनोथेरेपी एवं टार्गेटेड थेरेपी की आवश्यकता होती है।

बचाव के उपाय: प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने वाला संतुलित आहार लें। हरी सब्जियाँ, मौसमी फल और साबुत अनाज का सेवन करें। जंक फूड से बचें। धूम्रपान न करें। प्रदूषित वातावरण में मास्क का उपयोग करें।

मुंह-गले का कैंसर: मुंह और गले का कैंसर विश्व में होने वाले कैंसरों में छठे स्थान पर आता है। यह कैंसर मुंह से लेकर गले तक के किसी भी हिस्से में हो सकता है।

लक्षण: मुंह में घाव जो लंबे समय तक ठीक न हो, भोजन या पानी निगलने में कठिनाई, खाने में दर्द, दांतों का जीभ में लगना, आवाज में बदलाव, मुंह कम खुलना, जीभ बाहर निकालने में परेशानी, गले में दर्द या गांठ महसूस होना।

कारण: तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट और अत्यधिक शराब का सेवन इस कैंसर के मुख्य कारण हैं। पान, गुटखा और सुपारी के सेवन से मुंह में बार-बार छाले होना कैंसर के खतरे को बढ़ा देता है।

उपचार: यदि मुंह एवं गले के कैंसर का प्रारंभिक अवस्था में निदान हो जाए, तो बायोप्सी के बाद सर्जरी द्वारा इलाज संभव है। दूसरी या तीसरी अवस्था में कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी दी जाती है। आधुनिक तकनीकों जैसे रोबोटिक सर्जरी, इम्यूनोथेरेपी और टार्गेटेड थेरेपी ने उपचार को अधिक सटीक और सफल बनाया है। *

(डॉ. राजेश मिस्त्री, सीनियर डायरेक्टर (ग्रुप)-ऑन्कोलॉजी, कोकिलाबेन अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई और डॉ. सभ्यता गुप्ता, चेयरपर्सन-डिपार्टमेंट ऑफ गायनेकोलॉजी, गायनी ऑन्कोलॉजी एंड रोबोटिक सर्जरी, मेदांता दि मेडिसिटी, गुरुग्राम से बातचीत पर आधारित)

इन दिनों अगर बढ़ जाए गैस-एसिडिटी की समस्या

सजेशन

डॉ. माजिद अलीम

सर्दी के दिनों में ठंड लगने से, खाने के न पचने से पेट में गैस की समस्या बढ़ जाती है। इससे पेट में मरोड़ उठती है, कई बार दर्द असहनीय हो जाता है। वैसे कई लोगों के लिए तो यह हर मौसम की समस्या होती है। लेकिन सर्दी के दिनों में यह कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती है, जिसकी वजह है बार-बार चाय-कॉफी पीना, पकौड़े खाना, टमाटर सूप में बटर डालकर पीना आदि। इन तमाम वजहों के अलावा लाइफस्टाइल से जुड़ी आदतों के कारण भी एसिडिटी और गैस की समस्या होती है। इससे बचने के लिए ये उपाय आजमा सकते हैं।

लिक्विड: सर्दी हो या गर्मी पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए क्योंकि पानी ही हमारी पाचनक्रिया को दुरुस्त रखता है। पानी हमें कब्ज से बचाता है और भोजन को वेस्ट में बदलता है। लेकिन भोजन के साथ पानी न पिएं। भोजन से 10 मिनट पहले और आधे घंटे बाद पानी पीना चाहिए। जिससे पेट में गैस नहीं बनती। पानी के अलावा प्रतिदिन ताजा जूस पिएं। पेट में गैस बनने की स्थिति में नीबू पानी पीना भी फायदेमंद होता है। कैफीनयुक्त ड्रिंक्स जैसे कोल्ड ड्रिंक, चाय, कॉफी ये सभी हमारी पाचनक्रिया पर बुरा असर डालते हैं और इनकी वजह से अपच की समस्या में इजाफा होता है। इन ड्रिंक्स की बजाय हर्बल टी, दूध या सादा पानी अपच की समस्या से काफी राहत दिलाता है।

फाइबर्स: रेशेदार भोज्य पदार्थ हमारी पाचनक्रिया को दुरुस्त करते हैं। मैदे की बजाय गेहूं की ब्रेड, ब्राउन राइस, ज्वार, बाजारा, मक्का, जौ, बींस, फल और सब्जियों को अपने नियमित आहार में शामिल करें।

प्रो-बायोटिक्स: प्रो-बायोटिक्स ऐसे प्राकृतिक बैक्टीरिया हैं जो हमारे शरीर में मौजूद होते हैं। आजकल बाजार में प्रो-बायोटिक्स दूध, ड्रिंक्स, दही और आइसक्रीम मिलती है, जिनके सेवन से अपच की समस्या को दूर किया जा सकता है।

वसा: पिज्जा, बर्गर के बजाय लो फैट फूड्स खाने से अपच से होने वाले दर्द से तो बच सकते हैं, साथ ही वजन बढ़ने की समस्या से भी निजात पा सकते हैं।

मसाले: ज्यादा मसालेयुक्त खाने से भी सीने में जलन और पेट में गैस होती है। अपच की समस्या होने पर इन्हें खाने से परहेज रखें।

जीवनशैली: इन दिनों वही भोजन करें, जो आसानी से पच जाए। अपने मेटाबॉलिज्म, आयु, वजन और काम की शैली के अनुरूप भोजन करना चाहिए ताकि आप फिट रह सकें। नियमित व्यायाम करें। *

मेरी उम्र 38 वर्ष है। सुबह सोकर उठने और देर तक बैठने के बाद उठने पर घुटनों और शरीर के अन्य जोड़ों में जकड़न महसूस होती है। कृपया बताएं मुझे क्या करना चाहिए?

-अंकुर, रायपुर

इस तरह की समस्या आपको सर्दियों में होती है या गर्मियों में भी, क्योंकि सर्दी के मौसम में हड्डियों संबंधी समस्या काफी देखी जाती है। आपको नियमित रूप में सुबह-शाम एक्सरसाइज शुरू कर देनी चाहिए। साथ ही एक बार आप कैल्शियम और विटामिन डी की जांच करवा लें और अगर कमी हो तो डॉक्टर से संपर्क कर इसकी दवा शुरू कर सकते हैं। पर आपको एक्सरसाइज जरूर करनी चाहिए।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। कुछ समय से मुझे जबड़े में अकड़न लगती है और यह पूरी तरह खुलता भी नहीं है। मैं कई वर्षों से स्मोकिंग करता हूं। कृपया बताएं, ये लक्षण किसी गंभीर बीमारी के संकेत तो नहीं हैं?

-कल्पेश, बिलासपुर

आप स्वयं बता रहे हैं कि लंबे समय से स्मोकिंग कर रहे हैं, लेकिन आपने यह नहीं बताया क्या आप गुटखा भी खातें हैं? क्योंकि समान्य तौर पर स्मोकिंग का सीधा असर जबड़े पर नहीं पड़ता। लेकिन इसके लिए आपको एक बार डॉक्टर से जरूर संपर्क कर लेना चाहिए, क्योंकि जबड़ा ना खुलने का कारण पता लगने पर उसका ट्रीटमेंट शुरू हो सकेगा।

मेरी उम्र 60 वर्ष है। मुझे भूख बहुत कम लगती है। कुछ भी खाने के बाद खट्टी डकारें आने लगती हैं। कभी-कभी पेट में दर्द भी होने लगता है। ऐसे में मुझे क्या करना चाहिए, कृपया समाधान बताएं।

-अमरेंद्र, महेंद्रगढ़

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब सुबह के समय जोड़ों में हो दर्द

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लगता है कि आपका डाइजेस्टिव सिस्टम गड़बड़ है। यानी, खाना ठीक से पच नहीं रहा है। इस वजह से खट्टी डकार आती है, आप अपनी लाइफस्टाइल और खान-पान, पहले चेंज करिए। खाने में फाइबर जरूर शामिल करें। दोपहर में दही सलाद लें। और एक फल नियमित रूप से खाएं। रात में ज्यादा भारी खाना नहीं खाएं, हल्का खाना खाए और कोशिश करें कि सोने से 3 घंटे पहले डिनर कर ले। इस तरह चेंज करने से आपको आराम मिलेगा। साथ ही बाजार का तला भुना, ऑयली खाना फिलहाल बंद कर दें।

मेरी उम्र 44 वर्ष है। मुझे सर्वाइकल की समस्या है। अकसर चक्कर आता है, कभी-कभी सिर दर्द भी होता है। कृपया बताइए, मुझे क्या करना चाहिए?

-शुभम, महासमुंद

सर्वाइकल की समस्या का स्थाई इलाज नियमित एक्सरसाइज है। इसके लिए आपको फिजियोथेरेपिस्ट से संपर्क कर सर्वाइकल की एक्सरसाइज सीख लेना चाहिए। अगर बहुत ज्यादा दर्द हो रहा है तो डॉक्टर से संपर्क कर पेनकिलर ले सकते हैं, लेकिन इससे फौरी तौर पर आराम मिलेगा। अगर आपका लंबी सिटिंग वाला काम है तो आपको काम के दौरान बीच-बीच में थोड़ी बहुत सर्वाइकल एक्सरसाइज करते रहना चाहिए।

मेरी उम्र 41 वर्ष है। कुछ दिनों से मुझे किसी भी खाने में स्वाद महसूस नहीं हो रहा है। इसीलिए डाइट बहुत कम हो गई है। इसकी क्या वजह हो सकती है और मुझे क्या करना चाहिए?

-संजय, कोरबा

आपको एक बार डॉक्टर से संपर्क कर अपनी जांच करा लेनी चाहिए, कई बार हल्का फीवर होता है जो महसूस नहीं होता, पर उसके लक्षण दिखते हैं। जैसा आप बता रहे हैं कि खाने का स्वाद नहीं आ रहा है, इसलिए आप किसी जनरल फिजिशियन से संपर्क कर जांच कराएं और जरूरत होने पर ट्रीटमेंट शुरू कराएं। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

जैकेट के शेष

डिप्टी सीएम अजित ....

हैं। उड़ानों की निगरानी करने वाली 'फ्लाइट रडार' के अनुसार, दिल्ली स्थित 'वीएसआर वेंचर्स' द्वारा संचालित 'लीयरजेट 46' विमान ने मुंबई से सुबह आठ बजकर 10 मिनट पर उड़ान भरी और सुबह लगभग आठ बजकर 45 मिनट पर इसका रडार से संपर्क टूट गया। विमानन नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अधिकारी ने बताया कि विमान में पवार, उनके निजी सुरक्षा अधिकारी और एक परिचारक तथा चालक दल के दो सदस्यों (पायलट इन-कमांड और प्रथम अधिकारी) समेत पांच लोग सवार थे। पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल ने बताया कि दुर्घटना के बाद विमान में आग लग गई। उन्होंने कहा, ''विमान में सवार सभी लोगों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। पवार के परिवार में उनकी पत्नी सुनेत्रा और दो बेटे पार्थ और जय हैं। सुनेत्रा राज्यसभा सदस्य हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि विमान सुबह आठ बजकर 50 मिनट पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ। घटना के वक्त उसमें पांच लोग सवार थे। अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने हाल में पुणे और पिंपरी चिंचवड में हुए निकाय चुनाव में अपने चाचा शरद पवार की राकांपा (शप) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था। मोदी और शाह ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से बातचीत कर विमान दुर्घटना में उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मृत्यु की घटना के बारे में जानकारी ली।

27 लाख की कोकीन ....

फॉरवर्ड बैकवर्ड लिंकेज की जानकारी जुटाने डीआरआई की टीम छात्र से पूछताछ कर रही है। डीआरआई की टीम ने श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे छात्र हेनरी टोचूक्वू के कब्जे से कोकीन जब्त की है। सूत्रों के मुताबिक हेनरी मंगलवार को शाम सवा आठ बजे दिल्ली से इंडिगो की फ्लाइट में रायपुर पहुंचा। डीआरआई की टीम ने मुखबिर की सूचना पर बैग की तलाशी ली। तलाशी में पहले तो कुछ भी नहीं मिला। इसके बाद डीआरआई के अफसरों ने छात्र के समान की बारीकी से पड़ताल की, तो साबुन की बट्टी के बीच कोकीन मिला। डीआरआई ने हेनरी को कोर्ट में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल कर दिया है।

साबुन की संख्या ....

शक हुआ। साबुन को रैपर से निकालने पर साबुन बीच से कटा हुआ मिला, जिसे बड़ी ही सफाई के साथ जोड़ा गया था। इसके बाद डीआरआई के अधिकारियों ने साबुन की बट्टी को बीच से काटकर देखा। प्लास्टिक के छोटे बैग में कोकीन को बड़े ही सफाई के साथ छिपाकर रखा गया था।

पदोन्नति नहीं मिली, एसपी ....

में कही है। यह पत्र अब सार्वजनिक है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि नियमों के बावजूद उन्हें जानबूझकर पदोन्नति से वंचित किया गया। उनका कहना है कि पुलिस मुख्यालय द्वारा समय-समय पर जारी की गई पदोन्नति सूचियों में उनके नाम पर विचार किया गया, लेकिन उन्हें पदोन्नति नहीं दी गई। इन सूचियों की तिथियां 10 अक्टूबर 2024, 31 दिसंबर 2024, 26 मई 2025 और 31 जुलाई 2025 बताई गई हैं। विभागीय स्तर पर उन्हें पदोन्नति से वंचित किए जाने का कारण यह बताया गया कि उनके विरुद्ध लोकायुक्त संगठन, भोपाल में जांच लंबित है। हालांकि, अधिकारी का कहना है कि उनके मामले में न तो कोई चार्जशीट जारी हुई है और न ही उनके खिलाफ कोई विभागीय कार्यवाही चल रही है। उन्होंने पत्र में स्पष्ट किया है कि उनके विरुद्ध कोई आपराधिक प्रकरण न्यायालय में लंबित नहीं है और वे निलंबित भी नहीं हैं। इसके बावजूद उन्हें वरिष्ठ वेतनमान और उप पुलिस महानिरीक्षक (डीआईजी) के पद पर पदोन्नति से वंचित रखा गया, जो नियमों के विपरीत है।

दूसरे आरोपित अफसरों को दिया प्रमोशन : एसपी ने यह भी लिखा है कि उनके मामले में नियमों की अनदेखी की गई। अधिकारी ने यह भी आरोप लगाया है कि उनसे कहीं अधिक गंभीर आरोपों का सामना कर रहे कई अधिकारियों को पदोन्नति का लाभ दिया गया है। उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज हैं और जिन मामलों में न्यायालय से अंतिम रिपोर्ट तक नहीं आई है, उन्हें भी पदोन्नति प्रदान की गई। ऐसे में समान परिस्थितियों में उनके साथ भेदभाव किया जाना न्यायसंगत नहीं है।

समान अवसर के अधिकार का उल्लंघन : पत्र में आईपीएस अधिकारी ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद-16 का उल्लेख करते हुए कहा है कि यह समान अवसर के अधिकार की गारंटी देता है। उन्होंने इसे इस अधिकार का खुला उल्लंघन बताया है। अधिकारी का कहना है कि समान परिस्थितियों वाले अधिकारियों को पदोन्नति दी गई, जबकि उन्हें इससे वंचित रखा गया, जिससे उनका मनोबल आहत हुआ है और प्रशासनिक व्यवस्था पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा होता है। यह मामला सामने आने के बाद पुलिस विभाग में पदोन्नति प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

पदोन्नति से नहीं कर सकते हैं वंचित, दिया नियम का हवाला : अपने पत्र में आईपीएस अधिकारी ने भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा 15 जनवरी 1999 को जारी पदोन्नति संबंधी नियमों का हवाला दिया है। उन्होंने उल्लेख किया है कि इन नियमों के अनुसार यदि कोई अधिकारी निलंबित नहीं है, उसके विरुद्ध आरोप पत्र जारी नहीं हुआ है और न्यायालय में आपराधिक मामला लंबित नहीं है, तो उसे पदोन्नति से वंचित नहीं किया जा सकता।

सीजेआई बोले- हमें पता है क्या हो रहा

यूजीसी के नए रेगुलेशन के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

देशभर में यूजीसी के नए नियमों का विरोध

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) के एक रेगुलेशन का विवाद सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है। अब सुप्रीम कोर्ट में इसकी सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति दे दी, जिसमें यूजीसी के रेगुलेशन को चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि इस रेगुलेशन में जाति-आधारित भेदभाव की परिभाषा गैर-समावेशी है और यह कुछ खास कैटेगरी को संस्थागत सुरक्षा से बाहर रखता है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने एक वकील की दलीलें सुनीं, जिन्होंने याचिका पर तुरंत सुनवाई की मांग की थी। एक वकील ने कहा, 'सामान्य वर्ग के साथ भेदभाव की संभावना है। मेरा केस 'राहुल दीवान और अन्य बनाम यूनियन' है।' इसपर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'हमें पता है कि क्या हो रहा है। सुनिश्चित करें कि कमियां दूर हो जाएं। हम इसे लिस्ट करेंगे।' सभी उच्च शिक्षा संस्थानों को भेदभाव की शिकायतों को देखने और समानता को बढ़ावा देने के लिए 'इक्विटी कमेटियां' बनाने का आदेश देने वाले नए रेगुलेशन 13 जनवरी को जारी किए गए थे। यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा) रेगुलेशन, 2026 में यह अनिवार्य किया गया था कि इन कमेटियों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), दिव्यांग व्यक्ति और महिलाएं शामिल होनी चाहिए।

केंद्र और भाजपा की बढ़ी मुश्किलें

नए रेगुलेशन यूजीसी (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा) रेगुलेशन, 2012 की जगह लेगा। याचिका में इस रेगुलेशन को इस आधार पर चुनौती दी गई है कि जाति-आधारित भेदभाव को सख्ती से एससी, एसटी और ओबीसी सदस्यों के खिलाफ भेदभाव के रूप में परिभाषित किया गया है।

यूपी में सवर्ण युवकों ने मुंडन कराया

देशभर में जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स और सवर्ण जाति के लोगों का यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) के नए नियमों को लेकर विरोध जारी है। यूपी-बिहार में बुधवार को भी जमकर हंगामा हुआ। स्टूडेंट्स और सवर्ण जातियों के लोग सड़कों पर उतरे। यूपी के पीलीभीत में सवर्ण समाज के युवकों ने मुंडन कराया। बिहार में पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के पोस्टर पर कालिख पोती गई।

यूजीसी के नए नियमों का विरोध क्यों?

यूजीसी ने 13 जनवरी को अपने नए नियमों को नोटिफाई किया था। इसका नाम है- 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन्स, 2026।' इसके तहत कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में जाति आधारित भेदभाव को रोकने के लिए विशेष समितियां, हेल्पलाइन और मॉनिटरिंग टीमें बनाने के निर्देश दिए हैं। ये टीमें खासतौर पर एससी, एसटी और ओबीसी छात्रों की शिकायतों को देखेंगी। सरकार का कहना है कि ये बदलाव उच्च शिक्षा संस्थानों में निष्पक्षता और जवाबदेही लाने के लिए किए गए हैं। हालांकि नियमों को जनरल कैटेगरी के खिलाफ बताकर विरोध हो रहा है। आलोचकों का कहना है कि सवर्ण छात्र 'स्वाभाविक अपराधी' बना दिए गए हैं। जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स का कहना है कि नए नियम कॉलेज या यूनिवर्सिटी कैंपसों में उनके खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा दे सकते हैं। इससे कॉलेजों में अराजकता पैदा होगी।

पेज एक के शेष

20 बेड के पीछे तीन एमबीबीएस...

विशेषज्ञ डाक्टरों को तीन से ज्यादा अस्पताल में अटैच प्रतिबंधित किए जाने पर भी हड़कंप मचा हुआ है।सूत्रों के अनुसार आयुष्मान सहित अन्य शासकीय स्वास्थ्य योजना के बेहतर संचालन और इससे संबंधित अस्पतालों को कसौटी पर खरा उतारने के लिए विभागीय स्तर पर हेम 2.0 पोर्टल में जानकारी मांगी गई है। नया पोर्टल के कुछ नए नियम ने छोटे और मध्यम आकार के निजी हास्पिटलों की नींद उड़ा रखी है। इसमें 20 बेड के पीछे 24 घंटे यानी तीन शिफ्ट के लिए एक-एक एमबीबीएस डाक्टरों की तैनाती अनिवार्य की गई है। अस्पतालों से जुड़े चिकित्सकों का तर्क है आय कम होने की वजह से तीन एमबीबीएस का खर्च उठाना मुश्किल है। पूर्व में बीएएमएस अथवा दूसरी पैथी के चिकित्सकों की मदद से काम चल जाता था, अब ऐसा संभव नहीं है। इस नियम की अनिवार्यता की वजह से छोटे अस्पताल शर्तो को पूरा नहीं कर पाएंगे और आयुष्मान योजना में पंजीकृत अस्पतालों की सूची छोटी हो जाएगी। अस्पतालों की दूसरी बड़ी समस्या सर्जन की सेवा सीमित करना है। अभी सर्जन, एनीस्थिसिया विशेषज्ञ एक साथ कई अस्पतालों में जाकर सेवा देते थे। इस पोर्टल में उन्हें भी तीन हास्पिटलों में सीमित कर दिया गया है। इससे कई अस्पतालों में सर्जरी बंद होने और मरीजों की उपचार व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है।

अभिभाषण के बीच हंगामा...

उन्होंने कहा, देश ने श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस मनाया। बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के मौके पर पूरे देश ने उन्हें श्रद्धांजलि दी और आदिवासी समुदाय के लिए उनके योगदान को याद किया। सरदार पटेल की 150वीं जयंती से जुड़े कार्यक्रमों ने एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को और मजबूत किया। पूरा देश इस बात का गवाह बना कि कैसे भारत रत्न भूपेन हजारिका की जयंती समारोह ने देश को संगीत और एकता की भावना से भर दिया।

छत्तीसगढ़ में कोर्ट को बम से...

बम से उड़ाए जाने के मामले में मिला था। जानकारी के मुताबिक जगदलपुर के अलावा राजनांदगांव, धमतरी और अंबिकापुर जिला न्यायालयों को भी बम से उड़ाने की धमकी कोर्ट के आधिकारिक ई-मेल आईडी पर भेजे गए संदिग्ध मेल के जरिए दी गई थी। धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया और बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड व अन्य सुरक्षा एजेंसियां ने सघन तलाशी अभियान चलाया। जगदलपुर जिला एवं सत्र न्यायालय में बम की सूचना लगभग 11 बजे पुलिस को मिली और पुलिस के पहुंचने के कुछ ही देर बाद पूरे परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

तड़के भेजा गया था...

इस बार मिले धमकी भरे ई-मेल के बाद कुछ नहीं मिलने पर मेल भेजने वाले की धरपकड़ के लिए साइबर टीम द्वारा जांच की जा रही है। जगदलपुर जिला न्यायालय के अधिकारिक ई मेल में पाकिस्तान व आईएसआई का नाम लेते हुए कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। यह मेल सुबह करीब 4:30 बजे न्यायालय की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर भेजी गई थी। इस धमकी भरे ई-मेल में जगदलपुर कोर्ट परिसर में 2 सुसाइड बम धमाके किए जाने व अमोनियम नाइट्रेट का इस्तेमाल कर जहर गैस बम भी लगाए जाने का दावा किया गया था। मेल में यह भी कहा गया है कि दोपहर 1:45 बजे तक जजों को कोर्ट से बाहर निकाल लिया जाए नहीं तो बड़ा नुकसान होगा।

पक्षकारों की पेशी आगे...

न हो इसे देखते हुए बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विक्रमादित्य झा द्वारा जिला सत्र न्यायाधीश से निवेदन किया गया कि पेशी में आने वाले पक्षकारों को अगली तिथि मुहैया कराई जाए जिससे उन्हें परेशानी ना हो। बार एसोसिएशन की मांग पर पेशी की तिथि को आगे बढ़ा दिया गया।

नवा रायपुर में होगा...

जगह देने के लिए तैयार हो गया है। पुराने रायपुर शहर में कमिश्नर दफ्तर शुरू होने के साथ ही अब ये तय माना जा रहा है कि ग्रामीण एसपी का दफ्तर ग्रामीण क्षेत्र में ही खोला जाएगा। सूत्रों के अनुसार इसके लिए प्रशासन जगह की तलाश में है। इसी बीच जानकारी मिली है कि नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण नवा रायपुर में जगह और भवन देने के लिए तैयार हो गया है। वैसे भी नवा रायपुर का पूरा क्षेत्र रायपुर जिला पुलिस ग्रामीण के क्षेत्राधिकार में है।

पुराने कार्यालय से ...

के साथ नई व्यवस्था बनने की जानकारी आम लोगों खासकर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को अब तक नहीं है। वे अपने काम, समस्याएं और शिकायतें लेकर पुराने एसपी आफिस में पहुंच रहे हैं, लोगों को असुविधा से बचाने के लिए ग्रामीण एसपी कार्यालय का काम पुराने एसपी आफिस से संचालित किया जा रहा है। जैसे ही रायपुर ग्रामीण एसपी कार्यालय के लिए भवन का आवंटन होगा, यह कार्यालय स्थायी रूप से नवा रायपुर में संचालित होने लगेगा। रायपुर ग्रामीण क्षेत्र के अंतगर्त आने वाले सभी थाना क्षेत्रों के लोगों को पुराने रायपुर शहर की जगह नवा रायपुर जाना होगा।

भगवान बालाजी के ...

आज के बाजार भाव में लगभग डेढ़ करोड़ रुपए आंका गया है। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। भक्तों द्वारा समर्पित शहद को स्वर्ण कलश में संग्रहित किया गया, जिसे गुरुवार सुबह होने वाले महाअभिषेक में उपयोग किया जाएगा। सुबह 9 बजे से प्रारंभ होने वाले इस महाअभिषेक में भगवान बालाजी, माता आंडाल एवं माता पद्मावती का स्वर्ण, रजत एवं लक्ष्मी कलशों से अभिषेक होगा। पंचगव्य, पंचामृत, दूध, दही, इत्र,अष्टगंध सहित विभिन्न सुगंधित द्रव्यों से अभिषेक के उपरांत महाआरती संपन्न की जाएगी, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

कांस्टेबल भर्ती में ....

मामले की अगली सुनवाई 23 फरवरी को होगी। दरअसल वर्ष 2023 में करीब 6000 कॉन्स्टेबल पदों में भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। भर्ती प्रक्रिया के दौरान फिजिकल टेस्ट में गड़बड़ियों की शिकायत सामने आई। इसमें फिजिकल टेस्ट में डेटा रिकॉर्डिंग के लिए टाइम्स टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड को आउटसोर्स शासन के द्वारा नियुक्त किया गया था।

गलत डाटा दर्ज...

टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा सीसीटीवी के फुटेज भी डिलीट किए गए हैं। इसके साथ ही शासन द्वारा कार्रवाई में कुल 129 अभ्यार्थियों का नाम सामने आया है जिन्हें अनुचित लाभ देते हुए अधिक अंक प्रदान किए गए थे। याचिका में कहा गया कि पुलिस भर्ती प्रक्रिया नियम 2007 के नियम 7 में साफ़ दर्शित है कि अगर पुलिस भर्ती प्रक्रिया में कोई भी अनियमितता पाई जाती है तो भर्ती प्रक्रिया को संपूर्ण रूप से रद्द किया जाएगा और नई भर्ती प्रक्रिया कराई जाएंगी।

सीआईएसएफ 'वंदे मातरम' तटीय साइक्लोथॉन-2026 का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम, नई दिल्ली से सीआईएसएफ की प्रमुख राष्ट्रीय जन-जागरूकता पहल 'वंदे मातरम तटीय साइक्लोथॉन–2026' का वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ किया। इस अवसर के साथ ही 25 दिनों के विशाल राष्ट्रीय अभियान की औपचारिक शुरुआत हुई। सीआईएसएफ की दो साइक्लिंग टीमें एक साथ बक्कखाली (पश्चिम बंगाल) और लखपत (गुजरात) से रवाना हुईं। ये टीमें देश के पूर्वी और पश्चिमी तटों के लगभग 6,500 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए 9 तटीय राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों से गुजरेंगी। साइक्लोथॉन का समापन 22 फरवरी को कोच्चि में होगा।

राष्ट्रपति मुर्मू ने गिनाई रेलवे की उपलब्धियां

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए असम के कामाख्या और पश्चिम बंगाल के हावड़ा के बीच हाल ही में शुरू की गई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की सराहना की और इसे भारतीय रेल की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। राष्ट्रपति ने कहा कि गरीब और मध्यम वर्ग की सेवा करने वाली भारतीय रेल 100 प्रतिशत विद्युतीकरण के लक्ष्य के बेहद करीब पहुंच चुकी है। राष्ट्रपति मुर्मू ने दिल्ली और मिजोरम की राजधानी आइजोल के बीच सीधे रेल संपर्क का भी उल्लेख किया, जिसे राजधानी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर शुरू किया गया।

गुमशुदा की तलाश

संजीव कुमार

नाम-संजीव कुमार पिता अनंत विजय चौधरी उम्र-37 वर्ष, हाउसिंग बोर्ड, औद्योगिक क्षेत्र भिलाई, रंग-गेहुआ, नीले रंग का चेक शर्ट और लोअर पहना हुए 21 जनवरी 2026 से बिना बताए घर से निकल गए हैं दिमागी रूप से कमजोर और शारीरिक तौर पर चलने में असमर्थ है। **कद - 6 फिट लगभग जिस किसी सज्जन व्यक्ति को दिखाई दे तो तुरंत संपर्क करें।**

सूचना देने वाले को उचित इनाम दिया जाएगा।

संपर्क : 90744-99935 73897-95051

हनुमान, बाली व सुग्रीव गोंड-कोल-कोरकू आदिवासी, गोंड धर्म ग्रंथ का भी किया जिक्र

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का विवादित बयान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि भगवान श्रीराम के वनवास काल में साथ देने वाली वानर सेना आदिवासी परंपरा से जुड़ी थी और यह बात केवल मान्यता नहीं बल्कि आदिवासी समाज के धार्मिक ग्रंथों में दर्ज ऐतिहासिक तथ्य है। सिंघार ने कहा कि वे हमेशा प्रमाण, इतिहास और तथ्यों के आधार पर अपनी बात रखते हैं, न कि अंधविश्वास या राजनीतिक सुविधा के अनुसार। उन्होंने गोंड धर्म के ग्रंथ सद्विचार के पृष्ठ संख्या 10 का हवाला देते हुए बताया कि उसमें स्पष्ट उल्लेख है कि बाली, सुग्रीव, अंगद और महावीर हनुमान जैसे वानर वीर गोंड, कोल और कोरकू समाज से जुड़े धर्म योद्धा थे। सिंघार ने माता शबरी का उदाहरण देते हुए कहा कि रामायण में स्वयं वर्णित है कि शबरी भी भील समाज से थीं, जिनके प्रेमपूर्वक दिए बेर भगवान राम ने स्वीकार किए थे। यह आदिवासी समाज के योगदान और सम्मान का प्रमाण है।

कार्यालय, नगर पंचायत देवकर, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

क्र./1118/ न.पं. / 2026 — ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना — देवकर दिनांक 28/01/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैः-

सिस्टम टेंडर क्रं.	कार्य का विवरण	अनु. लागत (रू. लाख में)	निविदा डाउनलोड की अंतिम तिथि
1	2	3	4
184526	वार्ड क्रं. 01 संतोषी वार्ड में आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य।	12.00	18.02.2026

टीप :- उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल www.eproc.cgstate.gov.in पर तथा विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in पर डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत देवकर, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद बेमेतरा जिला बेमेतरा (छ.ग.)

क्र./2032/न.पा./ लो.नि.वि./2025-26 — बेमेतरा दिनांक 28.01.2026

// मैनुअल पद्धति से द्वितीय निविदा सूचना //

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र	कार्य का नाम	लागत राशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि
1	अधोसंरचना मद अंतर्गत वार्ड क्र. 11 एवं 16 में विभिन्न स्थानों में सी.सी. सड़क निर्माण कार्य। (कुल 09 कार्य)	50.11	13.02.2026

टीप :- उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईड http://uad.cg.gov.in पर डाउनलोड की जा सकती है एवं शाखा से कार्यालयीन अवधि में प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् बेमेतरा

न्यायालय नायब तहसीलदार उपतहसील निपनिया जिला बलौदा बाजार-भाटापारा (छ.ग.)

-: ईश्तहार :-

रा.प्र.क.202512210100011/ अ-59 / वर्ष 2025-26,
ग्राम- रमदैया प.ह.न. 30

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कार्यपालन अभियंता (सं./सं.) संभाग छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लि. बलौदा बाजार का पत्र क्रमांक 4675 बलौदा बाजार, दिनांक 09.12.2025 द्वारा ग्राम रमदैया, तहसील भाटापारा में प्रस्तावित नवीन 220/132/33 के.व्ही. उपकेन्द्र निर्माण हेतु शासकीय भूमि खसरा नंबर 501/1 रकबा 38.184 हे. में से रकबा 8.000 हे. भूमि कार्यपालन अभियंता (सिविल) सिविल संभाग, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड रायपुर को आबंटित करने की मांग किया गया है। आवेदन पत्र के साथ नक्शा, खसरा पांचसाला की छायाप्रति संलग्न कर कलेक्टर महोदय बलौदाबाजार-भाटापारा को पत्र प्रेषित किया गया है। जो अनुविभागीय अधिकारी (रा.) महोदय भाटापारा के माध्यम से जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई आपत्ति दावा हो तो अपना आपत्ति नियत पेशी दिनांक 20.02.2026 तक स्वयं या अपने अभिभाषक या वैध प्रतिनिधि के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है, नियत अवधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 27.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर सहित जारी किया।

मुहर

नायब तहसीलदार
निपनिया

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड

(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) (छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल की उत्तरवर्ती कंपनी)
कार्यालय- कार्यपालन यंत्री (सं./सं.) संभाग छ.स्टे. पॉ. डिस्ट्री.कं. लिमि. महासमुन्द

आम सूचना

महासमुन्द संभाग के अन्तर्गत कोमाखान क्षेत्र के आम जनता को सूचित किया जाता है कि 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र देवरी से निकलने वाली 11 के.व्ही. देवरी सेग्रीगेशन फीडर (RDSS) लाईन का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिसमें 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र देवरी से ग्राम देवरी, बाघामुड़ा, बांसकाटा, छिबर्रा, सिमगांव से छोटा खेमड़ा गांव तक से होकर गुजरी हुई लाईनों का विद्युत प्रवाह दिनांक 29.01.2026 या उसके पश्चात कभी भी ऊर्जीकृत किया जा सकता है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि उक्त लाईनों से सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी ऑथोरिटी के सुरक्षा अधिनियम की कंडिका 58 एवं 60 के अनुसार कोई निर्माण न करें एवं पर्याप्त दूरी बना कर रखे, छेड़खानी न करें एवं किसी भी प्रकार से विद्युत लाईनो के संपर्क में आने का प्रयास न करें तथा दूरी बनाये रखें।

"असुविधा से बचने के लिए अपने विद्युत देयक का भुगतान समय पर करें।"

(पी.आर. वर्मा)
कार्यपालन यंत्री (सं/स) संभाग
छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लिमि.महासमुन्द

राशिफल

मेष — कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मानसिक शान्ति रहेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी।

वृष — कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। धन आगमन की स्थितियां बनी रहेंगी।

मिथुन — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। अति उत्साही होने से बचें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वाणी के प्रभाव में वृद्धि होगी।

कर्क — अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह — कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद की स्थिति बन सकती है। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कन्या — कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। आय की स्थिति में सुधार होगा। संयत रहें। क्रोध के क्रोध से परेशान रहेंगे। भागदौड़ अधिक रहेगी।

तुला — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। नौकरी में तरक्की मिल सकती है।

वृश्चिक — आय में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मन में नकारात्मकता के प्रभाव से बचें। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

धनु — कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

मकर — वाणी में सौम्यता रहेगी। नकारात्मक विचारों के प्रभाव से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

कुंभ — स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। नौकरी में अफसरों से मतभेद हो सकते हैं। मन प्रसन्न रहेगा। संयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में सुधार होगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश यात्रा पर जाना हो सकता है। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

शब्द पहेली - 6122

बाएँ से दाए
1. ईष्ट कृपा, वर-4
3. मान का विलोम-4
8. शैतानी करना-4,3
10. झगड़ा, बैर-3
11. जंगल, वन-3
13. सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15. जलने के बाद बचे अवशेष-2
17. कार्य-2
18. पतवार-2
19. नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21. नमस्कार-3
25. बूंद-3
26. जिज्ञासा, लगन-3
27. आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30. मां के माता-पिता-2,2
31. रपटना-4

ऊपर से नीचे
2. वलय, घेरा-3
4. तीन घंटे का समय-3
5. खिसकना-4
6. उन्मादी, मदमस्त-4
7. यज्ञ, होम-3
8. नगर-3
9. तिरस्कृत-3
12. रूप अभिमान-3
13. शांति-3
14. प्रतिज्ञा-3
16. सहभोज-3
20. मोजा, पायताबा-3
22. उदारता-4
23. परवरिश करना-3
24. वचन तोड़ना-4
25. लेखनी-3
28. लिखावट-3
29. अमीर, धनवान-3

शब्द पहेली- 6121 का हल

सूडोकु नवताल 6132

★★★★★ कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6131 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

MANGAL SENACHA, BANGALORE

चांदी रिकॉर्ड 3.85 लाख रुपए प्रति किलोग्राम पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

■ सोना 1.71 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम

■ चांदी में 15,000 रुपए की तेजी दर्ज की गई

राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को सोना और चांदी की कीमतों में तेजी का सिलसिला जारी रहा। कमजोर अमेरिकी डॉलर और वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के बीच दोनों नए शिखर पर पहुंच गए।

चांदी में लगातार तीसरे दिन तेजी आई और यह 15,000 रुपये यानी 4.05 प्रतिशत बढ़कर 3,85,000 रुपये (सभी कर सहित) प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले सत्र में यह 3,70,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी, जबकि शुक्रवार को यह 3,29,500 रुपये प्रति किलोग्राम थी। सोना भी 5,000 रुपये यानी तीन प्रतिशत बढ़कर 1,71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के नए शिखर पर पहुंच गया। मंगलवार को यह 1,66,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

सुरक्षित निवेश के रूप में सराफा की मांग बढ़ी

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, /"सोना और चांदी लगातार मजबूत तेजी दिखा रही है और कीमतों को ऊपर जाने के लिए हर दिन नए कारण मिल रहे हैं।

दिसंबर में जमकर हुआ औद्योगिक उत्पादन 7.8 प्रतिशत से बढ़ा उत्पादन, दो साल का बना रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

खनन, विनिर्माण एवं बिजली क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन से देश के औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर दिसंबर 2025 में दो साल से अधिक के उच्चतम स्तर 7.8 प्रतिशत पर पहुंच गई। बुधवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापा जाने वाला औद्योगिक उत्पादन दिसंबर 2024 में 3.7 प्रतिशत बढ़ा था।

आधिकारिक बयान में कहा गया, '' दिसंबर 2025 में औद्योगिक गति और मजबूत हुई क्योंकि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 7.8 प्रतिशत बढ़कर दो वर्ष से अधिक के अपने उच्च स्तर पर पहुंच गया। नवंबर 2025 में इसमें 7.2 प्रतिशत (संशोधित) की वृद्धि दर्ज की गई थी।'

अप्रैल-दिसंबर में वृद्धि दर घटी थी

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने नवंबर 2025 के लिए औद्योगिक उत्पादन वृद्धि के अनुमान को पिछले महीने जारी किए गए 6.7 प्रतिशत के अस्थायी अनुमान से संशोधित करके 7.2 प्रतिशत कर दिया है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान देश के औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर घटकर 3.9

प्रतिशत रही जो एक साल पहले इसी अवधि में 4.1 प्रतिशत थी।

विनिर्माण क्षेत्र में 23 उद्योग समूह शामिल

आईआईपी की वृद्धि में दिसंबर 2025 में शीर्ष तीन प्रमुख योगदान करने वाले क्षेत्र अवसंरचना निर्माण वस्तुएं, प्राथमिक वस्तुएं और मध्यवर्ती वस्तुएं हैं। विनिर्माण क्षेत्र में 23 उद्योग समूहों में से 16 ने दिसंबर 2025 में सालाना आधार पर सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है।

विनिर्माण क्षेत्र का योगदान 12.7 फीसदी रहा

आईआईपी आंकड़ों में दिसंबर 2025 के शीर्ष तीन सकारात्मक योगदानकर्ताओं में बुनियादी धातुओं का विनिर्माण (12.7 प्रतिशत), मोटर वाहन, ट्रेलर व सेमी-ट्रेलर (33.5 प्रतिशत) और दवा औषधीय रसायन एवं वनस्पतिक उत्पाद (10.2 प्रतिशत) शामिल हैं।

एस्सार 100 ईंधन चार्जिंग केंद्र करेगी स्थापित

एजेंसी ▶▶| बेतुल (गोवा)

एस्सार ग्रीन मोबिलिटी भारत की सबसे बड़ी स्वच्छ माल ढुलाई पहल के तहत देशभर में 100 वैकल्पिक ईंधन एवं चार्जिंग केंद्र के नेटवर्क समर्थित 30,000 एलएनजी और इलेक्ट्रिक ट्रक को तैनात करने का लक्ष्य बना रही है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस विस्तार से माल ढुलाई कार्यों से सालाना लगभग 10 लाख टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आने की उम्मीद है जो परिवहन उत्सर्जन में एक प्रमुख योगदानकर्ता है। साथ ही लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को कार्बन मुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एस्सार ग्रुप के परिचालन भागीदार (ऊर्जा) बी. सी. त्रिपाठी ने कहा,डीजल से छुटकारा पाने की प्रक्रिया तभी संभव होगी जब स्वच्छ विकल्प माल ढुलाई की परिचालन और आर्थिक वास्तविकताओं के अनुरूप होंगे।

सोने के बदले कर्ज दो साल में दोगुना होकर हुआ 15.6 लाख करोड़

एजेंसी ▶▶| मुंबई

सोने की कीमतों में तेज उछाल के बीच सुरक्षित माने जाने वाले इस खंड में बैंकों और अन्य कर्जदाताओं की दिलचस्पी बढ़ने से देश में सोने के आभूषण के बदले कर्ज दो साल में करीब दोगुना होकर नवंबर 2025 तक 15.6 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बुधवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। क्रिफ हाई मार्क की रिपोर्ट के मुताबिक, नवंबर 2025 तक के एक साल में 'सोने के बदले कर्ज' (गोल्ड लोन) में 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इससे पहले नवंबर 2024 तक के वर्ष में इसमें 39 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
नगर निगम मुख्यालय, गांधी मैदान के पास, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं.- 0771-2535780, 90 फैक्स - 0771 2227395
Email : dc_rmc@rediffmail.com

क्रमांक/909/SBM/न.पा.नि./2025-26 रायपुर, दिनांक : 27/01/2026

नगर पालिक निगम, रायपुर सीमा क्षेत्र में 15वें वित्त आयोग अंतर्गत शहर के प्रमुख मार्गो पर नाली अथवा कलवर्ट में डी.आई. मैनहोल कवर क्रय करने का कार्य की निविदा आमंत्रण जेम के माध्यम से किया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है-

बिड संख्या	कार्य का नाम	स्वीकृत राशि
GEM/2026/B/7103468	शहर के प्रमुख मार्गो पर नाली अथवा कलवर्ट में डी.आई. मैनहोल कवर क्रय करने का कार्य 30.60 लाख	30.60 लाख

टीपः– उपरोक्त कार्य हेतु अन्य जानकारी https://gem.gov.in के माध्यम से प्राप्त कर सकते है।

कार्यपालन अभियंता (SBM)
नगर पालिक निगम,
रायपुर (छ.ग.)

घरों से निकलने वाले सूखा और गीला कचरें को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER PUBLIC WORK DEPARTMENT, BILASPUR CIRCLE BILASPUR CHHATTISGARH

// निविदा निरस्तीकरण सूचना //

इस कार्यालय के निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 448 दिनांक **22.12.2025** को अपेन्डिक्स 2.10 की कंडिका 4.6 के तहत अपरिहार्य कारणवश निरस्त किया जाता है।

पूर्व जी.नं. 252605646

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
बिलासपुर मण्डल बिलासपुर

G-252606295/3

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता, मिनीमाता बांगों नहर संभाग क्रमांक 6, सक्ती जिला सक्ती (छ.ग.)

eProcurement Portal : https://eproc.cgstate.gov.in

निविदा निरस्तीकरण आदेश

प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग रायपुर के पृ.क्र. 4263930 / निविदा प्रकोष्ठ / 2025/3761 (टीसी) नवा रायपुर, दिनांक 16.01.2026 के परिपालन में इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित निविदा सूचना क्र. 04 / व.ले. लि./ 2025-26 दिनांक 27.11.2025 सिस्टम नं. 180411 (प्रथम आमंत्रण) में एकल निविदाकार होने के कारण प्रतिस्पर्धा के अभाव में निविदा एतद् द्वारा निरस्त किया जाता है।

(पूर्व प्रकाशन का जी नं. 252605115)

कार्यपालन अभियंता
मिनीमाता बांगो नहर संभाग क्रमांक - 6
नंदेलीभांठा-सक्ती

G-252606300/4

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT ROAD DIVISION, DUMKA

2ND CORRIGENDUM DETAILS of NIT

TENDER REFERENCE No.- RCD/DUMKA/25

PR 371033 Road(25-26)D

NAME OF THE WORK - Strengthening/IRQP Work of Tongra to Maheshbathan via Bilkandi, Jaytara Road (Total Length-21.619 Km) under Road Division Dumka for the year 2025-26.

CORRIGENDUM DETAIL of NIT

4	Date of Publication of Tender on Website – 04.02.2026 10:30 AM **in place of** 27.01.2026 10:30 AM
5	Last date/Time for receipt of bids26.02.2026 Up to 12.00 Noon **in place of** 17.02.2026 Up to 12.00 Noon
6	Date of opening of Tender – 27.02.2026 at 12.30 PM **in place of** 18.02.2026 at 12.30 PM

Other terms and conditions shall remain unchanged.

Executive Engineer
Road Construction Department,
Road Division, Dumka

PR 371803 Road(25-26).D

Office of the Executive Engineer Drinking Water & Sanitation Division No.-02, Dumka.

e-Procurement Notice, Very Short Term Tender

Tender Reference No.- DWSD/DUMKA-2/24/2025-26
(1st Call) (e-Tender) Date- 27.01.2026

1	Name of Work :	Shifting of existing Pipe line of Beldaha multi village water supply scheme falling in alignment of ODR (NH-114A to NH-133) From Beldaha to Dumarthar under D.W. & S. Division No. 02, Dumka
2	Department Name :	Drinking Water & Sanitation Department, Jharkhand, Ranchi.
3	Name & Address of the Office Inviting Tender	Executive Engineer, D.W.&S. Division No.-02, Dumka.
4	Estimated Cost	159.26017 Lac
5	Earnest Money	3.19 Lac
6	Cost of BOQ (In Rs.)	Rs. 10,000.00
7	Time of Completion	03 Months
8	Date of Publication of Tender/ Time on Website :	30.01.2026/05 : 00 PM
9	Last date /Time for receipt of Online Bid	09.02.2026/05 : 00 PM
10	Last date/time of Online Submission of Earnest Money and Cost of BOQ (As per Letter No.-120, dated-03.10.2023 of Secretary to Govt., Information Technology & e-Governance Department, Govt. of Jharkhand)	09.02.2026/05 : 00 PM
11	Date of Opening of Tender /Time:	10.02.2026/05: 00 PM
12	Name &Address of Tender Opening Officer :	Executive Engineer, D.W.& S. Division No.-02, Dumka.
13	Contact no. of Procurement Office :	9431749737
14	Help line No. of e-procurement cell :	0651-2480345

Note:-
No claim shall be entertained because of disputation of internet service being used by the bidders. Bidders are advice to upload their bids well in advance to avoid last minute technical sanction. Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in
Estimated Cost may be increase or decrease.

(Ramesh Kumar Lohra)
Executive Engineer
D.W. & S. Division No.-02, Dumka.

PR 371708 Drinking Water and Sanitation(25-26)#D

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग, कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग बीजापुर, जिला - बीजापुर (छ.ग.)

-:: निविदा निरस्तीकरण सूचना ::-

इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा सूचना क्रमांक 03 / व.ले.लि. / 2025-26, बीजापुर दिनांक 26.12.2025, सिस्टम निविदा क्रमांक **182298** (प्रथम आमंत्रण), (कार्य का नामः- **बीजापुर जिले के विकासखण्ड भैरमगढ़ में भालूजोडी नाला पर स्टॉपडेम का निर्माण कार्य।**), जिसका जी - नंबर **252605721** है, उक्त निविदा में केवल एक ही निविदाकार द्वारा भाग लिये जाने से प्रतिस्पर्धा का अभाव एवं एकल निविदा की स्थिति होने के कारण से निविदा को निरस्त की जाती है।

सहपत्र :- शून्य ।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, बीजापुर
कृते मुख्य अभियंता, गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, जगदलपुर, छ.ग.

G-252606314/3

IN THE HIGH COURT OF CHHATTISGARH AT BILASPUR
Caveat Application No. /2026
(In Writ Petition (C) No. /2026)

CAVEATOR : Chhattisgarh State Civil Supplies
Proposed Respondent Corporation Limited, Block No. 7-A, Second Floor, Office Complex, Sector-24, Head Office, Atal Nagar, Naya Raipur (C.G.)

VERSUS

NON-CAVEATOR : Public at large
Proposed Petitioner

CAVEAT UNDER SECTION 148-A OF THE CODE OF CIVIL PROCEDURE, 1908 R/W. RULE 142 OF CHAPTER IX OF CHHATTISGARH HIGH COURT RULES, 2007

On behalf of the caveator/proposed respondent it is most humbly and respectfully submits as under :-

1. That, the office of the caveator had inspected the godowns at District Dantewada where the rice was stocked of year 2024-25. The inspection was conducted by the team of officials of the Corporation as well as State Government.
2. That, the random samples were taken out and were examined by the technical experts. That the rice out of 20 stocks were found below standard and was not in order as prescribed by the competent authority, therefore in this circumstances the millers were directed to replace BRL rice stock by FAQ stock and the communication letter No. Q.C./2025-26/171 dated 22.01.2026 has been issued to District Collector in this regard. The copy of communication letter dated 22.01.2026 is enclosed as Annexure C/1.
3. That, the Caveator/Proposed Respondent is apprehended that the non- caveator/proposed petitioner may filed writ petition as well as an application for grant of stay against the said communication letter dated 22.01.2026 and may try to obtain interim order from the Hon'ble Court which would cause irreparable loss to the caveator/Civil Supplies Corporation effecting the public distribution scheme.
4. That, in the event of filing writ petition and application for grant of stay, the caveator may kindly be granted an opportunity of being heard before passing any interim order on the application for grant of interim relief/stay, moved by the Non Caveator/unsuccessful tenderers.
5. That, the address of notice to the caveator is as per the cause title of the caveat application as Caveator or through their Counsel "SYED MAJID ALI ADVOCATE" Office at - 1st Floor, Surendra Singh Bhadoriya Complex, Beside Man's Meadows Apartment, Main Road, Bhartiya Nagar, Bilaspur (C.G.).

Bilaspur
Dated :-

(Syed Majid Ali)
Counsel for Caveator

Office address - 1st Floor, Surendra Singh Bhadoriya Complex, Beside Man's Meadows Apartment, Main Road, Bhartiya Nagar, Bilaspur (C.G.) Mob. No. 9826494743
Email: advocate majidali@gmail.com

S -46713/2

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

सुरक्षागार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड वेतन 13000/- सुपरवाइजर वेतन 15000/- फील्ड अधिकारी वेतन 15000/- आवास मुफ्त, योग्यतानुसार वेतन **संपर्कः- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालयः- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7747000016, 7746000016, 7746000019.** (RO-348)

आवश्यकता है- बेरोजगार युवा आज ही नौकरी पाइए! पद – सिक्योरिटी गार्ड योग्यता – 5वी से 12वीं पास,ग्रेजुएट भी मान्य सुविधा – रहने व खाने की व्यवस्था उपलब्ध वेतन – 9,500 से 18,000 प्रति माह लोकेशन – नया रायपुर । रायपुर । रायगढ़ । **आज ही कॉल करें और नौकरी पक्की करें 9201958117, 9201958118.** (RO-6547)

ड्रायवर

आवश्यकता है- गायत्री नगर, रायपुर स्थित ऑफिसर को एक अनुभवी, नशामुक्त, ड्राइवर की। 10वी पास जरूरी। आसपास के ड्राइवर को प्राथमिकता। **संपर्क करें- 8349933320, सायं: 6 से 8 बजे तक** ।(RO-287)

कम्प्युटर ऑपरेटर

आवश्यकता है- (1) महिला- PA, ऑफिस कार्य, कम्प्यूटर ऑपरेटर (XL, Word, email, हिन्दी से इंग्लिश लेटर टाइपिंग) (2) आफिस साफ सफाई चाय पानी (3) पुरुष- मेडिकल मशीन की मार्केटिंग व सर्विस इंजीनियर (4) ऑर्थोपेडिक एवं TKR THR Joints की सर्जरी कराने (5) सामान लाने लेजाने+ आफिस जनरल काम हेतु (6) ईको चलाने हेतु ड्राइवर वेतन 13000 से 30000 **पता- पिनाका मेडिकल सिस्टम,** Sec-11A, **कमल विहार, रायपुर 9326609234, 9300335829.** (RO-1876)

गोडाऊन कार्य

आवश्यकता है- एयर कूलर गोडाउन में कार्य करने हेतु मेहनती एवं अनुभवी (उम्र 20 से 30) लड़कों की आवश्यकता है । (शंकर नगर,मोवा,कमल विहार के आस पास रहने वाले को प्राथमिकता) **संपर्क - ए लीला इलेक्ट्रॉनिक्स, एम जी रोड सिंध साइकिल के सामने , शारदा चौक के पास** रायपुर। मोबाइल - **7000808093.** (RO-471)

देखरेख

आवश्यकता है- कुत्ते के आश्रम में जिम्मेदार स्टाफ चाहिए। कुत्तों को खाना देना, देख-भाल, मल मूत्र सफाई का कार्य. 10,000 मासिक वेतन, रहना व खाना उपलब्ध। **चंदखुरी रायपुर, छत्तीसगढ़ 7225888800.** (RO-6995)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- होलसेल खिलौना दुकान बंजारी चौक गोल बाजार के पास कार्य हेतु मेहनती लड़कियों की आवश्यकता है **संपर्क रायपुर 8349712577, 9981390074.** (RO-494)

आवश्यकता है- कार एसेसरीज की दुकान में काम करने के लिए लड़कों और लड़कियों की जरूरत है। जरूरतमंद ही संपर्क करें। **भाव्य ट्रेडर्स नवभारत प्रेस के सामने शहीद स्मारक कॉम्प्लेक्स रायपुर मो. 8818833330.** (RO-24)

गार्ड/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- रायपुर, बलौदाबाजार, जांजगीरचांपा, कोरबा, रायगढ़ हेतु वेल्डर, कटरफिटर, गार्ड, इलेक्ट्रीशियन, हेल्पर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, ड्राइवर, चपरासी स्टोरकीपर, सुपरवाईजर 5वीं-ग्रेजुएट वेतन 11000 से 30000 रहना फ्री नया **पता- बस स्टैण्ड बिलासपुर 7898973405.** (RO-39659)

हरिभूमि क्लासीफाईड

मशीन ऑपरेटर

टेक्सटाईल स्पिनिंग (धागा) मिल, रायपुर (छत्तीसगढ़)
नई टेक्सटाईल धागा मिल में साफ व ठंडे वातावरण में मशीन चलाने हेतु नये/पुराने अनुभवी वर्कर्स चाहिए। रहने की उत्तम सुविधा व कैंटीन मिल में उपलब्ध।
पहले दिन से PF/ESIC कवरेज व पेमेन्ट सीधे बैंक खाते में। 240 दिन से अधिक हाजरी पर छुट्टी का पैसा अलग।
संपर्क करें। **9827163216 8462933820**

फिटर/मेंटेनेंस इंजीनियर

आवश्यकता है- मशीन फ़िटर एवं मेंटेनेंस एक रायपुर स्थित प्रतिष्ठित कंपनी को अनुभवी मशीन फ़िटर एवं मेंटेनेंस इंजीनियर की आवश्यकता है। 10वर्ष का अनुभव योग्यताः आईटीआई/ डिप्लोमा (मैकेनिकल को प्राथमिकता) वेतनः अनुभव अनुसार **संपर्क श्री बी. बी. उपाध्याय** +917351398771, +919410202426 (RO-0328)

सुपरवाइजर/ऑपरेटर

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड, गनमैन, सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फील्ड ऑफिसर कामवाली बाई। वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री। **पता- श्रीसांई सिक्युरिटी सर्विस, सांई निवास कॉम्प्लेक्स, जेजे हॉस्पिटल के बाजू में तोरवा बिलासपुर 9301186703, 8253010291.** (RO-39669)

पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य करने हेतु ,रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़को की आवश्यकता है रूम बिजली की सुविधा फ्री है **पता बंजारी मंदिर के पास रावाभाटा रायपुर 7828735534.** (RO-39785)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

पैकिंग/ऑपरेटर कार्य

आवश्यकता है- ऑटोपार्ट्स की दुकान में पैकिंग एवं कंप्यूटर अप्रेटर कार्य हेतु लड़को की आवश्यकता हैं। वेतन योग्यतानुसार । **संपर्क - तृप्ति सेल्स कार्पोरेशन, एम. जी.रोड,रायपुर । मोबाइल 9340273375.** (RO-465)

अकाउंटेंट/सेल्समैन

आवश्यकता है- चायपत्ती के ऑफिस में अकाउंटेंट की एवं सेल्समैन व ड्राइवर की आवश्यकता है **संपर्क करें- जैन ट्रेडर्स नियर** SBI ATM **आकृति विहार अमलीडीह- 9753674707, 0771-4075490.** (RO-6548)

सर्विस इंजीनियर

आवश्यकता है- एक प्रतिष्ठित राइस मिल रबर रोल फर्म को अनुभवी राइस मिल स्पेयर सर्विस इंजीनियर की आवश्यकता है। मैकेनिकल या इलेक्ट्रिकल में डिप्लोमा/ आईटीआई को प्राथमिकता वेतनः अनुभव अनुसार **संपर्क- श्री मोहन रावत** +919599605274. (RO-0329)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है , जो शहर से बाहर रहकर काम कर सके,योग्यता, 10वी, 12वी, स्नातक,वेतन - 12000+ कमीशन बोनस (रहना फ्री गाड़ी फ्री) ट्रेनिंग के बाद कमाए 20-25-हजार ,**मो.9982589693, 8815522974.** (RO-1297)

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़ से बाहर ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है , योग्यता, 10वी, 12वी, स्नातक, वेतन -12000+ कमिशन (रहना फ्री) ट्रेनिंग के बाद कमाए 20-25 हजार नोट - नशेड़ी फ़ोन न करें **मो.9982589693.** (RO-527)

हरिभूमि

घरेलू कार्य / कुक

आवश्यकता है- घरेलु काम एवं खाना बनाने के लिए महिला कर्मचारी की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार **पता- कालीबाड़ी रायपुर संपर्क करें - 9827140065, 9827140068.** (RO-6550)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी लेन-देन पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेकर व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

CLASSIFIED RATE CARD
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी
01 अप्रैल 2025 से लागू

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.
COLOUR 20% Extra Charge For Disply
5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1 FIX SIZE

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

Healthcare

गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
- शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
- शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
- लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
- लिंग में टेढ़ापन
- वीर्य में शुक्राणु की कमी
- बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
- पेशाब में धातु जाना
- शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी

संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

ऑस्ट्रेलियन ओपन : दो सेट हारने के बाद भी सेमीफाइनल में जोकोविच, मुसेट्टी की इंजरी बनी वरदान

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी और पिछले दो बार के चैंपियन यानिक सिनर ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जबकि रिकॉर्ड 10 बार के विजेता नोवाक जोकोविच भाग्य के सहारे अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रहे।

जोकोविच पहले दो सेट हार गए थे और वह घर वापस लौट के बारे में सोचने लग गए थे लेकिन तभी भाग्य ने पलटी खाई क्योंकि पांचवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेटी चोट के कारण टूर्नामेंट से हट गए। सिनर ने एक अन्य मैच में अमेरिका के आठवीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन को दो घंटे 23 मिनट तक चले मैच में 6-3, 6-4, 6-4 से पराजित किया। वह लगातार तीसरी बार खिताब जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल होने से केवल दो जीत दूर हैं। जोकोविच दो बार यह कारनामा कर चुके हैं। सिनर को सेमीफाइनल में अधिक तरोताजा जोकोविच का सामना करना है, जिन्हें चौथे दौर में वाकओवर मिला था। पुरुष वर्ग का अन्य सेमीफाइनल विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज और तीसरे वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच खेला जाएगा।

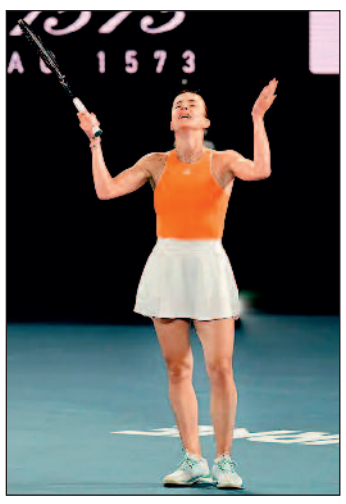

रयबाकिना और पेगुला का सेमीफाइनल में प्रवेश

महिला वर्ग में पांचवीं वरीयता प्राप्त एलिना रयबाकिना और छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जहां उनका आमना सामना होगा। रयबाकिना ने विश्व में दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से जबकि छठी वरीय पेगुला ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी और यहां चौथी वरीयता प्राप्त अमांडा अनिसिमोवा को 6-1, 7-6 (6-1) से हराया।

पहली बार सेमीफाइनल में स्वितोलिना

महिला वर्ग में अन्य सेमीफाइनल एरिना सबालेंका ओर एलिना स्वितोलिना के बीच खेला जाएगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका पिछले चार साल में अपना तीसरा ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब जीतने की कवायद में हैं जबकि स्वितोलिना पहली बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची है। पेगुला ने पिछले दौर में 2025 की चैंपियन मैडिसन कीज को हराया और फिर अनिसिमोवा के लगातार तीसरे ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने की उम्मीद पर पानी फेर दिया। पेगुला को उम्मीद है कि वह पिछले साल यहां कीज के प्रदर्शन को दोहराते हुए ऑस्ट्रेलिया में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतेगी।

टीम इंडिया का विजयरथ रुका, न्यूजीलैंड ने सीरीज में खोला जीत का खाता, शिवम की मेहनत पर फिरा पानी

एजेंसी ▶▶| विशाखापत्तनम

न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए चौथे टी20 मैच को अपने नाम किया। बुधवार को कीवी टीम ने भारत के खिलाफ मैच 50 रन से अपने नाम करते हुए सीरीज में आखिरकार जीत का खाता खोला।

हालांकि, टीम इंडिया सीरीज पर पहले ही अपना कब्जा कर चुकी है। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी कीवी टीम ने सलामी जोड़ी के बीच शतकीय साझेदारी के दम पर 7 विकेट खोकर 215 रन बनाए। इधर भारतीय टीम 18.4 ओवरों में महज 165 रन पर सिमट गई। इसमें शिवम दुबे ने 23 गेंदों में 65 रन की विस्फोटक पारी खेली।

कॉन्वे और सीफर्ट ने की शतकीय साझेदारी

डेवोन कॉन्वे ने टिम सीफर्ट के साथ 8.2 ओवरों में 100 रन की साझेदारी की। दोनों बल्लेबाजों ने महज 8.1 ओवरों में टीम को शतक तक पहुंचाया। यह भारतीय सरजमीं पर टी20 फॉर्मेट में टीम इंडिया के खिलाफ किसी टीम का सबसे तेज शतक भी रहा। कॉन्वे 23 गेंदों में 3 छक्कों और 4 चौकों के साथ 44 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद सीफर्ट ने मोर्चा संभालने की कोशिश की। उन्होंने 36 गेंदों में 62 रन जुटाए। सीफर्ट की इस पारी में 3 छक्के और 7 चौके शामिल रहे। शिवम दुबे ने महज 15 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जिसके साथ वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तीसरे सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले भारतीय बन गए।

स्कोर बोर्ड

न्यूजीलैंड	रन	गेंद	4	6
कोन्वे का रिंकू बो कुलदीप	44	23	4	3
सिफर्ट का रिंकू बो अर्शदीप	62	36	7	3
रवींद्र का एवं बो बुमराह	02	4	0	0
फिलिप्स का रिंकू बो कुलदीप	24	16	3	1
चैपमैन का राणा बो बिश्नोई	09	8	1	0
डेरिल मिचेल नाबाद	39	18	2	3
सैंटेनर रन आउट	11	6	1	1
फोक्स का रिंकू बो अर्शदीप	13	6	1	1
मैट हेनरी नाबाद	06	3	1	0

अतिरिक्त: 06, कुल योग : 20 ओवर में 215/7 रन
गेंदबाजी: अर्शदीप 4-0-33-2, राणा 4-0-54-0, बुमराह 4-0-38-1, बिश्नोई 4-0-49-1, कुलदीप 4-0-39-2

भारत	रन	गेंद	4	6
अभिषेक शर्मा का कोन्वे बो हेनरी	00	1	0	0
संजू सैमसन बो सैंटेनर	24	15	3	1
यादव का एवं बो डफी	08	8	2	0
रिंकू सिंह पगबाधा फोक्स	39	30	3	2
पंड्या का फोक्स बो सैंटेनर	02	5	0	0
शिवम दुबे रन आउट	65	23	3	7
राणा का रवींद्र बो सोढ़ी	09	13	1	0
रवि बिश्नोई नाबाद	10	10	1	0
अर्शदीप का सैंटेनर बो सोढ़ी	00	2	0	0
बुमराह का सोढ़ी बो सैंटेनर	04	2	1	0
कुलदीप का सिफर्ट बो डफी	01	3	0	0

अतिरिक्त : 3, कुल योग: 18.4 ओवर में 165/10 रन
गेंदबाजी: हेनरी 3-0-24-1, डफी 3.4-0-33-1, फोक्स 3-0-29-1, सोढ़ी 4-0-46-2, सैंटेनर 4-0-26-3, फिलिप्स 1-0-7-0

आईसीसी रैंकिंग में टीम इंडिया का दबदबा, सूर्यकुमार की लंबी छलांग

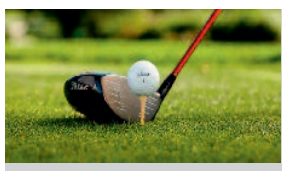

एजेंसी ▶▶| दुबई

कप्तान सूर्यकुमार यादव न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही पांच मैचों की घरेलू श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) की पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बल्लेबाजों के वर्ग में पांच पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए। भारत ने अभी तक पांच मैच की इस श्रृंखला के पहले तीनों मैच जीते हैं। पूर्व में नंबर एक रहे सूर्यकुमार ने इन मैच में 32, नाबाद 82 और नाबाद 57 रन बनाए, जिससे वह रैंकिंग में आगे बढ़ने में सफल रहे। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी20 विश्व कप से पहले बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि तिलक वर्मा तीसरे स्थान पर हैं। तिलक वर्मा चोटिल होने के कारण इस श्रृंखला में नहीं खेल रहे हैं।

टी20 सीरीज : ऑस्ट्रेलियाई टीम पहुंची पाकिस्तान

लाहौर। मिचेल मार्श की अगुवाई में ऑस्ट्रेलिया की टीम लाहौर पहुंच गई, जहां वह पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगी। यह श्रृंखला ऐसे समय में आयोजित की जाएगी जब अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। इस श्रृंखला को पाकिस्तान के टी20 विश्व कप की तैयारी के अंतिम चरण के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या राष्ट्रीय टीम को भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में सात फरवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए सरकार की मंजूरी मिलेगी या नहीं।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक दुर्ग-1 (छ.ग.)

// आम सूचना //

विषय- सीमांकन बाबत् ।

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि न्यायालय तहसीलदार दुर्ग नगर, जिला- दुर्ग के आदेश क्रमांक 42, तहसील- दुर्ग, दिनांक 03/12/2025 के अनुसार आवेदक- तुषार कुमार पिता श्री राजेन्द्र कुमार, निवासी- ग्राम खेदामारा द्वारा ग्राम पटवारी हल्का नंबर 11 तह. व जिला- दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 739/8, रकबा- 0.01 हे. भूमि का सीमांकन दिनांक 03/02/2026 समय 11 से 5 बजे तक स्थल पर जाना है ।

अतः कोई भी व्यक्ति या संस्था उक्त ख.नं. की भूमि में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से हित रखते हो तो अपने स्वतंत्र अर्जन के दस्तावेज नक्शा खसरा ले आउट तथा बयनामा की मूल प्रतिलिपि सहित मौके पर उपस्थित होकर दावा आपत्ति पेश कर सकते हैं । तत्पश्चात् आपत्ति विचारणीय नहीं होगी ।

राजस्व निरीक्षक
दुर्ग-1, जिला- दुर्ग (छ.ग.)

रायपुर में सजेगा अंतरराष्ट्रीय गोल्फ का मंच, 1.5 करोड़ की इनामी राशि के लिए भिड़ेंगे 126 खिलाड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर एक बार फिर भारतीय खेल मानचित्र पर अपनी चमक बिखेरने के लिए तैयार है। प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया ने 'छत्तीसगढ़ ओपन 2026' के दूसरे संस्करण की घोषणा कर दी है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारत सहित विदेशों के कुल 126 पेशेवर गोल्फर हिस्सा लेंगे, जो 1.5 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड इनामी राशि के लिए अपनी चुनौती पेश करेंगे।

पिछले साल की शानदार सफलता के बाद, इस दूसरे संस्करण ने छत्तीसगढ़ को वैश्विक गोल्फ पर्यटन और विश्व स्तरीय खेल आयोजनों के उभरते हुए केंद्र के रूप में स्थापित कर दिया है। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की मौजूदगी और बड़ी इनामी राशि इस टूर्नामेंट को और अधिक रोमांचक बनाएगी, जिससे भारतीय खिलाड़ियों को विदेशी दिग्गजों के खिलाफ अपना कौशल परखने का बेहतरीन अवसर मिलेगा।

पिछले साल की शानदार सफलता के बाद दूसरे संस्करण ने छत्तीसगढ़ को वैश्विक गोल्फ केंद्र के रूप में होगा स्थापित

मैदान में उतरेंगे दिग्गज खिलाड़ी

इस टूर्नामेंट में भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी जैसे वीर अहलावत, अर्जुन प्रसाद, मनु गंडास, अंगद चीमा और खालिन जोशी अपनी दावेदारी पेश करेंगे। वहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर श्रीलंका केएन थंगराजा विदेशी चुनौती की अगुवाई करेंगे।

चार दिनों तक दिखेगा रोमांच

छत्तीसगढ़ ओपन 2026 के दौरान चार दिनों तक उच्च स्तरीय चैंपियनशिप गोल्फ देखने को मिलेगा। इस आयोजन से न केवल खेल प्रेमियों को रोमांच मिलेगा, बल्कि डिजिटल और मीडिया कवरेज के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मध्य भारत के बढ़ते कद को भी पहचान मिलेगी।

गोल्फ को देश के नए क्षेत्रों तक ले जाना हमारा मुख्य लक्ष्य

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज और पीजीटीआई के अध्यक्ष कपिल देव ने इस अवसर पर कहा की प्रोफेशनल गोल्फ को देश के नए क्षेत्रों तक ले जाना हमारा मुख्य लक्ष्य है। रायपुर ने गोल्फ के प्रति जबरदस्त उत्साह दिखाया है। मेरा सपना है कि देश के हर कोने से प्रतिभाशाली युवा गोल्फर निकलें और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का मान बढ़ाएं। पीजीटीआई के सीईओ अमनदीप जोहल ने बताया कि 126 खिलाड़ियों और 1.5 करोड़ के प्राइज पूल के साथ छत्तीसगढ़ ओपन इस कैलेंडर वर्ष का सबसे महत्वपूर्ण आयोजन है। यह भारतीय गोल्फरों के विकास के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम तैयार करेगा।

पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आगाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय जोरा में बुधवार को 16वीं राज्य स्तरीय छत्तीसगढ़ पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रायपुर महापौर मीनल चौबे शामिल हुईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता रायपुर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने की।

विशिष्ट अतिथि के रूप में यामिनी तिवारी और जिंदल ग्रुप से प्रदीप टंडन उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत पैरा एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा, सचिव डीकेश टंडन और उपाध्यक्ष प्रशांत रघुवंशी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। उद्घाटन मैच में व्हीलचेयर क्रिकेट का रोमांच देखने को मिला।

कांटे की टक्कर में टीम 'ए' विजयी: उद्घाटन मैच में व्हीलचेयर क्रिकेट का रोमांच देखने को मिला। छत्तीसगढ़ टीम 'ए' ने कप्तान पोषण ध्रुव के नेतृत्व में पहले बल्लेबाजी करते हुए 120 रन बनाए। जवाब में किसन रावत की कप्तानी वाली टीम 'बी' 114 रन ही बना सकी और टीम 'ए' ने 6 रन से जीत दर्ज की। विजेता और उपविजेता टीमों को आकाश तिवारी ने विक्ट्री ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।

पूरी दुनिया घुमाने वाला जहाज! एक टिकट की कीमत में खरीद लेंगे छोटा-सा घर

एजेंसी ▶▶| लंदन

अगर आप सपनों में भी पूरी दुनिया घूमने की कल्पना करते हैं तो एक ऐसा तरीका है जो आपको समंदर के रास्ते 130 दिनों में कई महाद्वीपों और दर्जनों देशों की सैर करवा देता है। वर्ल्ड क्रूज या अराउंड द वर्ल्ड क्रूज नाम से मशहूर ये सफर क्रूज शिप पर होता है, जहां आपका घर ही चलता फिरता है। अनपैकिंग सिर्फ एक बार करनी पड़ती है और हर दिन नई जगह, नया नजारा और नई संस्कृति देखने को मिलती है। कई क्रूज कंपनियां ऐसे लंबे वर्ल्ड क्रूज ऑफर करती हैं, जो आमतौर पर 120 से 140 दिनों के बीच होते हैं।

ऐसा है सफर

130 दिनों के वर्ल्ड क्रूज में आप 30 से 50 पोर्ट्स पर रुकते हैं, 25-35 देशों की सैर करते हैं और 6 महाद्वीपों को पार करते हैं। इसमें पनामा कैनाल का क्रॉसिंग, फ्रेंच पोलिनेशिया की खूबसूरत द्वीप, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, एशिया के कई देश जैसे इंडोनेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड, भारत, श्रीलंका, अफ्रीका के केप टाउन, यूरोप के कई शहर और अमेरिका के कई पोर्ट शामिल होते हैं। कई क्रूज में 7-10 ओवरनाइट स्टे भी होते हैं, जहां आप रात भर शहर एक्सप्लोर कर सकते हैं। यह सफर सिर्फ यात्रा नहीं, बल्कि एक फ्लोटिंग लग्जरी होटल का अनुभव है। क्रूज शिप पर कई रेस्टोरेंट, स्विमिंग पूल, स्पा, जिम, थिएटर, लाइव शो, कैसीनो, लाइब्रेरी और यहां तक कि क्लासेस भी चलती हैं। खाना, ड्रिंक्स (कुछ पैकेज में), इंटरनेट, लॉन्ड्री और ग्रेच्युटी सब शामिल होते हैं। दिन भर समंदर पर रिलैक्स करते हुए किताबें पढ़ना, सूर्यास्त देखना या नए दोस्त बनाना -यह सब शामिल है।

पानी के रास्ते दुनिया भर की सैर करवाने वाला क्रूज

इतनी है कीमत

कई लोग इसे रिटायरमेंट का बेस्ट तरीका मानते हैं, जहां वे घरेलू कामों से दूर रहकर दुनिया देखते हैं। एक व्यक्ति के लिए बेसिक कैबिन (इंसाइड या ओशनव्यू) की कीमत 15,000 से 25,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 12-20 लाख रुपए) से शुरू होती है। लग्जरी या बालकनी/सूट में यह 60,000 से 1 लाख डॉलर (50 लाख से 80 लाख रुपए) तक जा सकती है। कुछ अल्ट्रा-लग्जरी क्रूज में यह 8 लाख डॉलर तक पहुंच जाती है। अब सोचिए, भारत में कई शहरों में एक छोटा-सा 1बीएचके फ्लैट या घर इतने में मिल जाता है। लेकिन यहां आपको 130 दिनों तक लग्जरी लाइफस्टाइल, खाना-पीना, ट्रैवल और अनगिनत यादें मिलती हैं। हर दिन के हिसाब से कीमत देखें तो यह 100-200 डॉलर प्रति दिन पड़ती है, जो एक अच्छे होटल से सस्ती है क्योंकि इसमें सब कुछ शामिल है।

रोचक खबरें

33,000 फीट की ऊंचाई से गिरी लड़की फिर भी दे डाली मौत को मात!

नई दिल्ली। प्लेन हादसे दर्दनाक होते हैं। इन हादसों में बचने वालों की संख्या बेहद कम होती है। अब तक के रिकार्ड्स में वेस्ना वुलोविच नाम की महिला का नाम दर्ज है, जिसने बेहद खौफनाक प्लेन क्रैश सर्वाइव किया था। महिला 33 हजार फ़ीट की ऊंचाई से गिरकर भी जिंदा रह गई थी। प्लेन हादसे हमेशा दिल दहला देने वाले होते हैं। इनमें जिंदा बचने की संभावना बेहद कम होती है, लेकिन इतिहास में एक ऐसी घटना दर्ज है जो आज भी लोगों को हैरान करती है। यह कहानी है वेस्ना वुलोविच की, एक 23 साल की युगोस्लाव फ्लाइट अटेंडेंट की, जिन्होंने 33,000 फीट से ज्यादा की ऊंचाई से गिरकर भी जिंदगी पाई। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में सबसे ऊंची गिरावट बिना पैराशूट के सर्वाइव करने का रिकॉर्ड आज भी उनके नाम दर्ज है। घटना 26 जनवरी 1972 की थी। वेस्ना वुलोविच उस समय जाट युगोस्लाव एयरलाइंस में नई-नई फ्लाइट अटेंडेंट बनी थीं। वे मूल रूप से उस फ्लाइट पर ड्यूटी के लिए नहीं थी। एक क्लेरिकल मिस्टेक हुई, जिसमें उनके नाम को दूसरे फ्लाइट अटेंडेंट (जिसका नाम भी वेस्ना था) से कन्फ्यूज कर दिया गया। इस वजह से वे स्टॉकहोम से बेलग्रेड जा रही फ्लाइट 367 पर सवार हो गई।

कोयले जैसा काला शरीर और डरावनी आंखें प्रशांत महासागर पर मिली सांप की नई प्रजाति

पोर्ट मोरेस्बी। प्रशांत महासागर के बीच एक दूर दराज द्वीप पर खुदाई की एक पुरानी और खंडहर हो चुकी जगह है। वहां गहराई में वैज्ञानिकों को एक अजीबोगरीब जीव मिला है। इस जीव की आंखें काली और शरीर बिल्कुल चिकना है और वैज्ञानिकों का कहना है कि उन्होंने आज से पहले ऐसा जीव कभी नहीं देखा। पापुआ न्यू गिनी के एक टापू लुइसियाड द्वीपसमूह पर एक नया जानवर मिला है, जिसने पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों का ध्यान खींचा है। यह इलाका अपनी अनोखी बनावट के लिए जाना जाता है, जहां बाहरी दुनिया के लोग बहुत कम पहुंच पाते हैं। हैरानी की बात यह है कि यह जीव सबसे पहले उस जगह मिला जहां कभी माइनिंग का काम होता था। रिसर्च में पता चला कि यह जीव जंगलों के साथ-साथ इंसानों द्वारा बनाई गई जगहों पर भी आराम से रह सकता है। इसकी इसी खूबी ने वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया है। सांपों की एक नई प्रजाति खोजी गई है जिसका नाम डेंड्रेलाफिस एट्रा रखा गया है। यह सांप जहरीला नहीं होता और ज्यादातर पेड़ों पर रहता है। इसे मिसिमा नाम के एक द्वीप पर पाया गया है, जहां पहले सोने की बहुत बड़ी खदान हुआ करती थी। मिशिगन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक फ्रेड क्राउस ने अप्रैल 2025 में इस खोज की पुष्टि की है।

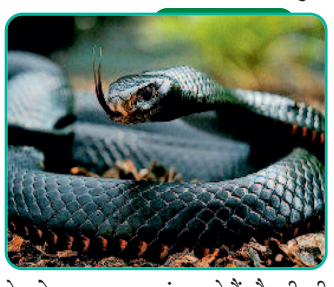

यह पहाड़ बताता है महिला के गर्भ में बेटा है या बेटी?

नई दिल्ली। दुनिया भर में अंधविश्वास को लेकर लोगों की अलग-अलग मान्यताएं देखने को मिलती हैं। कई जगहों पर लोग इन विश्वासों को इतनी गंभीरता से मानते हैं कि इसके चलते जान तक जोखिम में डाल देते हैं। कहीं-कहीं अंधविश्वास के नाम पर बलि जैसी घटनाएं भी सामने आई हैं। हालांकि, जिस मामले की यहां बात की जा रही है, उसे वहां के लोग सिर्फ अंधविश्वास नहीं बल्कि एक पुरानी परंपरा मानते हैं। आमतौर पर डॉक्टर ही जांच कर बता सकते हैं कि गर्भ में पल रहा बच्चा लड़का है या लड़की, वो भी कानूनन प्रतिबंधित है। लेकिन, एक ऐसा गांव है, जहां लोगों का मानना है कि एक पहाड़ खुद यह बता देता है कि गर्भ में बेटा है या बेटी। यह सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन ग्रामीणों का दावा है कि यह परंपरा करीब 400 सालों से चली आ रही है और आज भी लोग इस पर पूरा भरोसा करते हैं। यह कहानी झारखंड के लोहरदगा जिले में स्थित खुखरा गांव की है। वैसे तो गर्भ में लिंग जांच करना कानूनन अपराध है, लेकिन इस गांव की मान्यता कुछ अलग ही है। यहां लोगों का विश्वास है कि एक पहाड़ पर बनी चांद जैसी आकृति से यह पता चलता है कि गर्भ में पल रहा बच्चा लड़का होगा या लड़की. बताया जाता है कि इस परंपरा की शुरुआत नागवंशियों के अंतिम शासक राज चिंतामणि शरण नाथ शाहदेव के समय में हुई थी।

वो खौफनाक विमान हादसे, जिन्होंने हमेशा के लिए बदल दी उड़ानों की दुनिया

नई दिल्ली। हवाई सफर को सुरक्षित बनाने के पीछे कई दुखद सबक छिपे हैं। हर बड़ी विमान दुर्घटना के बाद तकनीक और नियमों में ऐसे बदलाव किए गए जिनसे भविष्य में वैसी घटना दोबारा न हो। आइए जानते हैं उन 13 सबसे चर्चित विमान हादसों के बारे में, जिन्होंने उड़ानों की दुनिया हमेशा के लिए बदल दी।

ग्रैंड कैन्यन टक्कर

30 जून, 1956 को ग्रैंड कैन्यन के ऊपर उड़ान भर रहे दो विमान आपस में टकरा गए, क्योंकि तब जमीन से निगरानी की तकनीक कमजोर थी। इसके बाद फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन बना और रडार सिस्टम को आधुनिक बनाया गया। अब विमानों में टक्कर रोकने वाली प्रणाली होती है, जो पायलट को बताती है कि दूसरा विमान कहां है।

यूनाइटेड एयरलाइंस फ्लाइट 173

28 दिसंबर, 1978 को यूनाइटेड एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या 173 का ईंधन खत्म हो गया, क्योंकि पायलट छोटी-सी तकनीकी खराबी को ठीक करने में उलझा रहा और क्रू मेंबर्स की सलाह अनसुनी कर दी. इस घटना के बाद कॉकपिट रिसोर्स मैनेजमेंट शुरू हुआ।

एयर कनाडा फ्लाइट 797

2 जून, 1983 को 33 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ान भर रहे एयर कनाडा फ्लाइट 797 के टॉयलेट में आग लगी और धुआं इतना फैल गया कि लोग बाहर नहीं निकल पाए। इस घटना के बाद प्लेन के टॉयलेट में स्मोक डिटेक्टर और ऑटोमैटिक आग बुझाने वाले डिवाइस जरूरी अनिवार्य किए गए। साथ ही फर्श पर चमकने वाली पट्टियां लगाई गईं, ताकि धुएं में भी रास्ता दिखे।

डेल्टा एयरलाइंस फ्लाइट 191: 2 अगस्त, 1985 को डलास के फोर्ट वर्थ एयरपोर्ट पर डेल्टा एयरलाइंस फ्लाइट 191 की लैंडिंग के समय विमान अचानक हवा का नीचे की ओर दबाव में फंस गया और हादसे का शिकार हो गया।

यूनाइटेड एयरलाइंस फ्लाइट 232

19 जुलाई, 1989 को डेनवर से शिकागो जा रही यूनाइटेड एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या 232 के पिछले इंजन का पंखा फटने से हाइड्रोलिक सिस्टम फेल हो गया और प्लेन आउट ऑफ कंट्रोल हो गया। इस घटना के बाद इंजनों की जांच के तरीके बदले गए और भविष्य के विमानों में बैकअप सुरक्षा प्रणालियां जोड़ी गईं।

मलेशिया एयर लाइंस 370

8 मार्च, 2014 को कुआलालंपुर से बीजिंग जा रही मलेशिया एयरलाइंस की फ्लाइट 370 रहस्यमय तरीके से गायब हो गई और आज तक उसका कोई अता-पता नहीं है। इस घटना के बाद अब हर प्लेन के लिए रियल-टाइम ट्रैकिंग अनिवार्य है, ताकि समुद्र के ऊपर भी उनकी सही लोकेशन पता रहे।

एयर फ्रांस 447

1 जून, 2009 को रियो से पेरिस के लिए उड़ान भरने वाले एयर फ्रांस 447 में गति मापने वाला यंत्र जाम हो गया और ऑटोपायलट सिस्टम ने काम करना बंद कर दिया। इस कारण पायलट घबरा गए और प्लेन को संभाल नहीं पाए. इस घटना से सबक लेते हुए पायलटों को अब मशीनों पर कम निर्भर रहने और मैन्युअल विमान उड़ाने की कड़ी ट्रेनिंग दी जाती है।

यूएस एयरवेज फ्लाइट 427

8 सितंबर, 1994 को जब यूएस एयरवेज की फ्लाइट संख्या 427 पिट्सबर्ग में लैंड करने वाली थी, तभी अचानक प्लेन का रडर जाम हो गया, जिसकी वजह से बोइंग 737 बाईं ओर लुढ़क गई। इस हादसे के बाद बोइंग ने हजारों विमानों के रडर सिस्टम को बदला और सुरक्षा के लिए नए पुर्जे लगाए।

वैल्यूजेट फ्लाइट 592

11 मई, 1996 को मियामी के पास एवरग्लेड्स में वैल्यूजेट 592 के कार्गो होल्ड में रखे केमिकल्स से आग भड़क गई। इस भयावह हादसे के बाद प्लेन में सामान रखने वाले हिस्से में भी स्मोक डिटेक्टर और फायर सिस्टम अनिवार्य कर दिए गए और खतरनाक सामान ले जाने के नियम कड़े हुए।

ग्रीनलैंड की बर्फ के नीचे मिला बड़ा खतरा! डूब जाएंगे कई शहर

वॉशिंगटन। वैज्ञानिकों को ग्रीनलैंड की जमी हुई बर्फ के नीचे एक नई बनावट मिली है। इस खोज से यह पता चलेगा कि भविष्य में समुद्र का जलस्तर कितनी तेजी से बढ़ सकता है। यह जानकारी वैज्ञानिकों के पुराने अनुमानों को पूरी तरह बदल सकती है। वैज्ञानिकों ने ग्रीनलैंड की बर्फ के नीचे एक ऐसी चीज़ का पता लगाया है जो आने वाले समय में हमारी दुनिया के समुद्रों का नक्शा बदल सकती है। वैज्ञानिकों को बर्फ की मीलों मोटी चादर के नीचे एक अदृश्य परत मिली है। यह परत तय करती है कि ग्लेशियर कितनी तेजी से खिसकेंगे और पिघलेंगे। इस खोज से पता चला है कि ग्रीनलैंड की बर्फ हमारे अंदाजे से कहीं ज्यादा तेजी से पिघलकर समुद्र का जलस्तर बढ़ा सकती है। इसके लिए वैज्ञानिकों ने बर्फ में कोई छेद नहीं किया बल्कि उन्होंने भूकंप की लहरों की मदद ली।

वैज्ञानिकों ने दी चेतावनी

क्या नीचे जाता पानी सुरक्षित है?

दरारों से होकर नीचे जाता यह पानी जमीन के बीच तेल जैसा काम करता है जिससे घर्षण कम हो जाता है और बर्फ के बड़े-बड़े हिस्से और भी तेजी से खिसककर समुद्र में गिरने लगते हैं।

वैज्ञानिकों की जांच में क्या सामने आया?

वैज्ञानिकों ने बताया है कि ग्रीनलैंड की बर्फ केवल सूरज की गर्मी से ऊपर से ही नहीं पिघल रही, बल्कि नीचे की जमीन भी इसे समुद्र में धकेल रही है। बर्फ की चादर के नीचे चिकनी होती है और वहां बर्फ अपने भारी वजन के कारण तेजी से फिसलकर समुद्र की तरफ बहने लगती है।

क्या जांच करने वाले हैं वैज्ञानिक?

वैज्ञानिक अब ग्रीनलैंड की बर्फ के नीचे होने वाली हलचल को और बारीकी से समझना चाहते हैं। इसके लिए वे भूकंप मापने वाली मशीनों का एक बड़ा नेटवर्क बनाना चाहते हैं, जिससे पल-पल की जानकारी मिल सके। वैज्ञानिक अब सैटेलाइट और जमीन के डेटा को मिलाकर एक नया मॉडल बना रहे हैं। इससे सरकारों को यह समझने में मदद मिलेगी कि आने वाले समय में समुद्र के किनारे वाले इलाकों को कैसे बचाया जाए।

चांद पर जाने से पहले क्वारंटाइन हुए 4 अंतरिक्ष यात्री दुनिया से सबसे ताकतवर रॉकेट से भरेंगे उड़ान

वॉशिंगटन। आर्टेमिस-II मिशन पर जाने वाले अंतरिक्ष यात्रियों ने अपनी यात्रा से पहले क्वारंटाइन में रहना शुरू कर दिया है। यानी अब वे कुछ दिनों तक बाहरी दुनिया के लोगों से अलग रहेंगे, जिससे किसी भी तरह की बीमारी से बचे रहें और मिशन के लिए सुरक्षित रहें। इंसानों को एक बार फिर चांद पर भेजने का सपना अब सच होने के करीब पहुंच रहा है। आर्टेमिस-II मिशन एक बहुत ही बड़ा कदम उठाने जा रहा है। 1972 में अपोलो मिशन के बाद से आज तक कोई भी इंसान चांद के पास नहीं गया है। यह मिशन इस 50 साल के लंबे इंतजार को खत्म कर देगा। 24 जनवरी को इस मिशन के 4 अंतरिक्ष यात्री क्वारंटाइन में रहने चले गए, जिससे वे किसी भी तरह के संक्रमण या बीमारी से बचे रहें और मिशन के लिए पूरी तरह से स्वस्थ होकर उड़ान भर सकें।

किस-किस को अगल रखा गया?

नासा के तीन अंतरिक्ष यात्री रीड वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और कनाडा के जेरेमी हैनसेन अब एक कड़े स्वास्थ्य नियम का पालन कर रहे हैं। 1960 के दशक से ही अंतरिक्ष यात्री उड़ान भरने से पहले बाहरी दुनिया से कट जाते हैं, जिससे वे बीमार न पड़ें लेकिन इस बार का तरीका थोड़ा अलग है। हालांकि, अभी रॉकेट लॉन्च की तैयारी पक्की तारीख तय नहीं हुई है।

रॉकेट की आखिरी जांच

वैज्ञानिक स्पेस लॉन्च सिस्टम नाम के दुनिया के सबसे ताकतवर रॉकेट को तैयार कर रहे हैं। इसमें ईंधन भरने का आखिरी टेस्ट किया जा रहा है, जिससे उड़ान के समय कोई कमी न रहे। यह 10 दिनों का मिशन सिर्फ चांद का चक्कर लगाने के लिए नहीं है। दरअसल, यह असल में उन मशीनों और तकनीक का स्ट्रेस टेस्ट है जिसे इंसानों को चांद और भविष्य में मंगल ग्रह पर बसाने के लिए बनाया गया है।

दुनिया का वो अनोखा जीव, ठंड में खो बैठता है याददाश्त

नई दिल्ली। दुनिया में कई अनोखे जीव हैं, लेकिन आर्कटिक ग्राउंड स्क्विरल सबसे हैरान करने वाला है। ये छोटा-सा गिलहरी जैसा जीव अलास्का, कनाडा और साइबेरिया की बेहद ठंडी जगहों पर रहता है, जहां सर्दियां 8 महीने तक चलती है। यहां तापमान -30C से नीचे गिर जाता है। ज्यादातर जीव ठंड से बचने के लिए संघर्ष करते हैं, लेकिन ये स्क्विरल ठंड को सेलिब्रेट करता है, हाइबरनेशन में जाकर! ये हाइबरनेशन इतना एक्सट्रीम है कि इसका ब्रेन ज्यादातर समय बंद रहता है। इसकी याददाश्त लगभग खो जाती है, लेकिन वसंत में जागते ही सब कुछ वापस आ जाता है।

गर्मी आते ही याद आ जाती है एक-एक बात!

जिंदा रहने की अनोखी तरकीब

हाइबरनेशन के दौरान इसका बॉडी टेम्परेचर पानी के फ्रीजिंग पॉइंट से नीचे -2.9C तक पहुंच जाता है। ये किसी भी स्तनधारी में सबसे कम दर्ज तापमान है। दिल की धड़कन 200 से घटकर 1-5 बीट्स प्रति मिनट रह जाती है, सांसें मुश्किल से 1-2 बार प्रति मिनट चलती है। ब्रेन एक्टिविटी लगभग शून्य हो जाती है। न्यूरॉन्स सिकुड़ जाते हैं, हजारों-लाखों सिनैप्सेस (न्यूरल कनेक्शन) टूट जाते हैं या विल्ट हो जाते हैं। इंसानों में ऐसा होने पर ब्रेन सेल्स डैमेज हो जाते, स्ट्रोक जैसी स्थिति बन जाती है। लेकिन, ये स्क्विरल बिना किसी स्थायी नुकसान के सर्वाइव करता है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com